वर्ष : 35 | अंक : 37 | मुंबई, सोमवार, 20 अप्रैल 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अचानक धमाके के बाद मची अफरा-तफरी

जानकारी के अनुसार, दोपहर के समय फैक्ट्री में मजदूर रोज की तरह काम कर रहे थे, तभी अचानक एक तेज धमाका हुआ, जिसके बाद आग भड़क उठी। धमाका इतना शक्तिशाली था कि फैक्ट्री के चार कमरे पूरी तरह ध्वस्त हो गए और आवाज करीब 10 किलोमीटर दूर तक सुनी गई। विस्फोट के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। कई मजदूर मलबे में फंस गए, जबकि पूरे इलाके में काले धुएं का गुबार छा गया। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया।

- काले धुएं से ढका पूरा इलाका
- प्रशासन अलर्ट, जांच के आदेश
- मुआवजे की घोषणा संभव
- पटाखा उद्योग के लिए प्रसिद्ध है विरुधुनगर
- सुरक्षा मानकों पर उठे सवाल
- पहले भी हो चुके हैं ऐसे हादसे

विरुधुनगर पटाखा फैक्ट्री विस्फोट

23 मजदूरों की मौत

एजेंसी । विरुधुनगर

तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले के कट्टुनारपट्टी इलाके में रविवार को पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट ने पूरे इलाके को दहला दिया। इस दर्दनाक हादसे में खबर लिखे जाने तक 23 मजदूरों की मौत की खबर है, हालांकि प्रशासन द्वारा आधिकारिक पुष्टि अभी जारी है। वहीं, 6 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राहत और बचाव कार्य तेजी से जारी है तथा प्रशासन ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं।

घंटों चला रेस्क्यू आपरेशन

बताया जा रहा है कि हादसे के समय फैक्ट्री के अंदर 20 से अधिक मजदूर मौजूद थे। धमाके के बाद कई लोग मलबे में दब गए। दमकलकर्मियों और पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और फंसे लोगों को बाहर निकालने का प्रयास जारी रखा।

आजीविका का साधन बना खतरा

विरुधुनगर क्षेत्र पटाखा उद्योग के लिए जाना जाता है, जहां बड़ी संख्या में स्थानीय लोग इसी काम से अपनी आजीविका चलाते हैं। हालांकि, इस तरह की घटनाएं सुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। फिलहाल आग लगने और विस्फोट के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस और संबंधित विभाग मामले की जांच कर रहे हैं। इस हादसे ने एक बार फिर पटाखा फैक्ट्रियों में सुरक्षा व्यवस्था और नियमों के पालन को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

"तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में एक पटाखा फैक्ट्री में हुए दुखद हादसे में लोगों की जान जाना बेहद कष्टदायक है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।"

-द्रौपदी मुर्मु, राष्ट्रपति

"तमिलनाडु के विरुधुनगर में हुई दुखद आग दुर्घटना से मैं अत्यंत दुखी हूं। मृतकों के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए मेरी प्रार्थनाएं।"

-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने लिखा, "तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में हुई दुर्घटना बेहद दुखद है। मैं उन लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। ईश्वर करे कि घायल जल्द से जल्द ठीक हो जाएं।"

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा कि विरुधुनगर जिले में पटाखा कारखाने में हुए विस्फोट में कई लोगों की मृत्यु की दुखद खबर से गहरा दुख हुआ है। मृतकों के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।

-एमके स्टालिन, प्रधानमंत्री

क्या थी घटना

जानकारी के मुताबिक, इस फैक्ट्री का मालिकाना हक गोविंदनाल्लूर निवासी मुथु मानिकम के पास है और यह एक वैध आरडीओ लाइसेंस के तहत संचालित हो रही थी। फैक्ट्री परिसर में 30 से अधिक कमरे बने हुए हैं और यहां 50 से ज्यादा कर्मचारी कार्यरत हैं। रविवार को जब लगभग 30 कर्मचारी अपनी ड्यूटी पर मौजूद थे, तभी अचानक एक जोरदार विस्फोट हुआ। इस धमाके से फैक्ट्री के कम से कम चार कमरों को भारी नुकसान पहुंचा और देखते ही देखते वहां अफरा-तफरी मच गई।

पटाखा उद्योग : रोज़गार भी, जोखिम भी

विरुधुनगर जिला पटाखा उद्योग के लिए जाना जाता है, जहां बड़ी संख्या में स्थानीय लोग इसी काम से अपनी आजीविका चलाते हैं। छोटे-छोटे कारखानों में काम करने वाले मजदूर अक्सर जोखिम भरे माहौल में काम करते हैं। इस हादसे ने एक बार फिर फैक्ट्रियों में सुरक्षा मानकों, लाइसेंसिंग और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जांच शुरू, कारण अब भी स्पष्ट नहीं

फिलहाल विस्फोट और आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस और संबंधित विभागों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती आशंका है कि ज्वलनशील पदार्थों के गलत तरीके से भंडारण या लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ हो सकता है।

बड़ा सवाल

यह हादसा सिर्फ एक दुर्घटना नहीं, बल्कि चेतावनी है कि अगर सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन नहीं किया गया, तो ऐसी घटनाएं बार-बार सामने आती रहेंगी। अब देखना होगा कि जांच के बाद जिम्मेदारों पर क्या कार्रवाई होती है और भविष्य में ऐसे हादसों को रोकने के लिए क्या ठोस कदम उठाए जाते हैं।

'गॉडमैन' अशोक खरात की बढ़ीं मुश्किलें

23 अप्रैल तक पुलिस हिरासत

डीबीडी संवाददाता । नासिक

स्वयंभू 'गॉडमैन' अशोक खरात की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। नासिक की हॉलिडे कोर्ट ने रविवार को उसे उसके खिलाफ दर्ज पांचवें यौन शोषण और उत्पीड़न के मामले में 23 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया।

SIT कर रही जांच, कई गंभीर आरोप

महाराष्ट्र सरकार ने खरात के खिलाफ दर्ज मामलों की जांच के लिए विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया है। नासिक और अहिल्यानगर जिलों में उसके खिलाफ अब तक कम से कम 12 आपराधिक मामले दर्ज हो चुके हैं, जिनमें आठ यौन शोषण से जुड़े हैं।खरात की गिरफ्तारी के बाद मामला राजनीतिक रूप से भी चर्चा में है। उसके कई नेताओं और प्रभावशाली लोगों के साथ संबंधों की तस्वीरें सामने आने के बाद विवाद और गहरा गया है।

पांचवें मामले में हुई नई गिरफ्तारी

पुलिस के अनुसार, 35 वर्षीय महिला द्वारा 18 मार्च को सरकारवाड़ा पुलिस थाने में दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराने के बाद खरात को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उसके खिलाफ कई महिलाओं ने यौन शोषण के आरोप लगाए। शनिवार को उसे पांचवें मामले में औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया गया, जिसमें आरोप है कि उसने खुद को भगवान का अवतार बताकर और काला जादू दिखाने के नाम पर पीड़िता से धोखाधड़ी की।

कोर्ट में पुलिस और बचाव पक्ष की दलीलें

रविवार को पुलिस ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आरोपी को अदालत में पेश कर पांच दिन की रिमांड मांगी।बचाव पक्ष के वकील सचिन थोरे ने कहा कि सभी मामले एक जैसे हैं और आगे की हिरासत की जरूरत नहीं है। वहीं सरकारी वकील शैलेन्द्र बागड़े और किरण बेंदभर ने दलील दी कि हर पीड़िता का मामला अलग है, इसलिए गहन जांच जरूरी है। स्वास्थ्य संबंधी शिकायत भी उठाईसुनवाई के दौरान अशोक खरात ने कंधे में दर्द की शिकायत करते हुए न्यूरोसर्जन से इलाज की अनुमति मांगी। अदालत ने निर्देश दिया कि मेडिकल जांच के दौरान उसे आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जाए।

बंगाल चुनाव से पहले ED का बड़ा एक्शन, जॉय कामदार हिरासत में

एजेंसी । कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 से पहले प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कोलकाता में कई ठिकानों पर छापेमारी की है। इस कार्रवाई में 'सन एंटरप्राइज' के प्रबंध निदेशक जॉय कामदार को हिरासत में लिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, यह छापेमारी मनी लॉन्ड्रिंग मामले से जुड़ी है। ईडी की टीम ने कोलकाता पुलिस के डिप्टी कमिश्नर शांतनु सिन्हा बिस्वास से जुड़े ठिकानों सहित कुल तीन स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। हिरासत में लिए गए जॉय कामदार को पूछताछ के लिए सीजीओ कॉम्प्लेक्स स्थित ईडी कार्यालय ले जाया गया है।

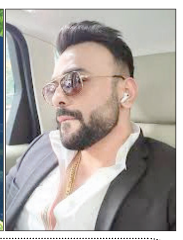

PMLA के तहत कार्रवाई

ईडी की यह कार्रवाई 'सोना पप्पू और जय कामदार' मामले से जुड़ी बताई जा रही है, जिसमें धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA) के तहत जांच चल रही है। जॉय कामदार के वकील सुब्रत सरकार ने दावा किया कि उनके मुवक्किल को गिरफ्तारी का कारण स्पष्ट नहीं बताया गया है, हालांकि उन्हें पहले एक वित्तीय मामले में नोटिस दिया गया था।

चुनाव से पहले बढ़ी सियासी हलचल

यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब राज्य में विधानसभा चुनाव नजदीक हैं, जिससे राजनीतिक माहौल और गर्मा गया है। इस मामले में कुछ राजनीतिक कनेक्शन होने की चर्चा भी है, हालांकि ईडी ने अभी तक किसी बड़े राजनीतिक चेहरे पर सीधे तौर पर आरोप नहीं लगाए हैं। फिलहाल, ईडी पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है और आने वाले दिनों में और खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

ब्रीफ न्यूज़

'हम किसी को छेड़ते नहीं, छेड़ने पर छोड़ते नहीं' : राजनाथ सिंह

चेन्नई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तमिलनाडु के राधापुरम में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए भारत की सुरक्षा नीति पर स्पष्ट और कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भारत शांति का पक्षधर है, लेकिन यदि कोई देश उसकी संप्रभुता और सुरक्षा को चुनौती देता है, तो उसे करारा जवाब दिया जाएगा। अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा, "हम किसी को छेड़ते नहीं हैं, लेकिन अगर कोई हमें छेड़ता है तो हम उसे छोड़ते नहीं हैं। थोड़ा इंतजार कीजिए, आपकी अपेक्षाएं जरूर पूरी होंगी।" उनका यह बयान जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की पहली बरसी से पहले आया है, जिसने देश को झकझोर दिया था।

लुइसियाना में 8 बच्चों की गोली मारकर हत्या

लुइसियाना। अमेरिका के लुइसियाना राज्य से एक बेहद दर्दनाक और झकझोर देने वाली घटना सामने आई है, जहां घरेलू हिंसा से जुड़ी गोलीबारी में 1 से 14 साल की उम्र के आठ बच्चों की निर्मम हत्या कर दी गई। इस वारदात ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया है। पुलिस के अनुसार, यह खौफनाक घटना श्रेवेपोर्ट शहर में हुई, जहां तीन अलग-अलग स्थानों पर गोलीबारी के सबूत मिले हैं। सुबह करीब 6 बजे वेस्ट 79वीं स्ट्रीट के 300 ब्लॉक से पहली कॉल आई, जिसके बाद जांच में सामने आया कि दो घरों के बीच और हैरिसन स्ट्रीट स्थित एक अन्य मकान भी इस घटना से जुड़ा हुआ है। श्रेवेपोर्ट पुलिस विभाग के कॉर्पोरल क्रिस बोर्डेलॉन के मुताबिक, मारे गए बच्चों की उम्र महज 1 से 14 साल के बीच थी। शुरुआती जांच में यह मामला घरेलू हिंसा से जुड़ा बताया जा रहा है, हालांकि हमलावर की पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है।

एमएमआरडीए में टेंडर घोटाला : अनिल परब

डीबीडी संवाददाता । नासिक

मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एमएमआरडीए) की टेंडर प्रक्रिया में शिवसेना (यूबीटी) के नेता अनिल परब ने बड़े पैमाने पर घोटाले का आरोप लगाया है। उन्होंने विक्रोली फुट ओवर ब्रिज और अटल सेतु परियोजना में फाइबर ऑप्टिक टेंडर में अनियमितता व चहेती कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए बार-बार डेडलाइन बढ़ाने का आरोप लगाते हुए मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है। अनिल परब ने टेंडरों में मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कहा कि इससे एमएमआरडीए को भारी वित्तीय घाटा हो रहा है।

टेंडर प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी पाई गई

अनिल परब ने कहा कि टेंडर प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी पाई गई है। जनवरी 2026 के बाद 3 से अधिक बार विस्तारित सभी निविदाओं के विवरण और बोलीदाताओं की जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए। उन्होंने मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित करने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो लोकायुक्त और केंद्रीय सतर्कता आयोग में शिकायत की जाएगी।

ईरान-अमेरिका वार्ता का दूसरा दौर

इस्लामाबाद में होगी अहम बैठक

जेडी वेंस नहीं होंगे शामिल

एजेंसी । वाशिंगटन

अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच स्थायी युद्धविराम को लेकर दूसरे दौर की वार्ता अब इस्लामाबाद में होने जा रही है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जानकारी दी कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल सोमवार को इस्लामाबाद पहुंचेगा, जिसमें विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर शामिल होंगे। हालांकि इस बार उपराष्ट्रपति जेडी वेंस टीम का हिस्सा नहीं होंगे।दोनों देशों के बीच अस्थायी युद्धविराम की अवधि इसी सप्ताह समाप्त हो रही है। ऐसे में यह वार्ता बेहद अहम मानी जा रही है। खासतौर पर होर्मुज को लेकर बढ़ते तनाव ने हालात को और गंभीर बना दिया है।ईरान ने स्पष्ट किया है कि जब तक अमेरिका उसकी समुद्री नाकेबंदी जारी रखेगा, तब तक वह होर्मुज से जहाजों को गुजरने की अनुमति नहीं देगा।

ईरान का सख्त रुख, 'हम नहीं तो कोई नहीं'

ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबफ ने कहा, 'जब हम नहीं गुजर सकते, तो दूसरों के लिए भी यह संभव नहीं होगा।' वहीं, तसनीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, ईरान ने अभी तक औपचारिक रूप से अपना प्रतिनिधिमंडल भेजने का फैसला नहीं किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर ईरान पर युद्धविराम उल्लंघन का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि ईरान ने फ्रांस और इंग्लैंड से जुड़े जहाजों पर गोलीबारी की है।ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि ईरान आगामी वार्ता में समझौता नहीं करता, तो अमेरिका उसके पावर प्लांट और पुलों को निशाना बना सकता है।

टीसीएस मामला : परिवार का दावा- 'मेहनती' कर्मचारी को फंसाया गया

डीबीडी संवाददाता । नासिक

टीसीएस से जुड़े कथित यौन उत्पीड़न और धर्मांतरण दबाव मामले में नया मोड़ सामने आया है। आरोपी कर्मचारी रजा रफीक मेमन के परिवार ने उन पर लगे आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे 'साजिश' और 'ऑफिस पॉलिटिक्स' का नतीजा बताया है। मेमन के चाचा अयाज काजी ने कहा कि उनके भतीजे को पेशेवर सफलता और शैक्षणिक प्रदर्शन के कारण निशाना बनाया जा रहा है। उनका कहना है कि मेमन ने हाल ही में कंपनी की आंतरिक परीक्षा में शीर्ष स्थान हासिल किया था, जिससे सहकर्मियों में ईर्ष्या पैदा हो सकती है।परिवार का दावा है कि यह पूरा मामला एक सुनियोजित षड्यंत्र का हिस्सा हो सकता है। उन्होंने मेमन को 'मेहनती' और 'मददगार' बताते हुए कहा कि वह सहकर्मियों के प्रति सहयोगी रवैया रखते थे।

मुख्य आरोप किसी और पर- परिवार की दलील

परिजनों ने यह भी कहा कि मामले के मुख्य आरोप दानिश शेख पर हैं। उनका कहना है कि यदि शेख दोषी पाए जाते हैं तो उन्हें सख्त सजा मिलनी चाहिए, लेकिन मेमन को बिना वजह फंसाया जा रहा है। नासिक स्थित टीसीएस यूनिट में महिला कर्मचारियों के साथ कथित यौन उत्पीड़न, जबरन धर्म परिवर्तन के प्रयास, छेड़छाड़ और मानसिक उत्पीड़न जैसे गंभीर आरोप सामने आए हैं। इस मामले में पुलिस की विशेष जांच टीम ने अब तक 9 एफआईआर दर्ज की हैं और एक महिला प्रबंधक समेत 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। मेमन फिलहाल 20 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में हैं।पुलिस ने एक अन्य आरोपी निदा खान की तलाश के लिए तीन टीमें गठित की हैं। इनमें से एक टीम ठाणे के मुंब्रा इलाके में भी पहुंची है।

सोमालीलैंड मुद्दे पर बढ़ा तनाव

इजराइल के फैसले पर 16 मुस्लिम देशों का विरोध

एजेंसी । नई दिल्ली

इजराइल के एक फैसले को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विवाद गहराता जा रहा है। सऊदी अरब, इजिप्ट समेत 16 मुस्लिम देशों ने संयुक्त बयान जारी कर कड़ी नाराजगी जताई है। इन देशों ने सोमालीलैंड के लिए इजराइल द्वारा राजनयिक प्रतिनिधि नियुक्त करने के फैसले की निंदा करते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ बताया है। संयुक्त बयान में कहा गया कि यह कदम सोमालिया की संप्रभुता, एकता और क्षेत्रीय अखंडता का सीधा उल्लंघन है। देशों का मानना है कि किसी भी राष्ट्र की सीमाओं को कमजोर करने वाले एकतरफा फैसले स्वीकार नहीं किए जा सकते। इस बयान में सूडान, लीबिया, बांग्लादेश, अल्जीरिया, फिलिस्तीन, तुर्की, इंडोनेशिया, पाकिस्तान और कुवैत सहित कुल 16 देशों के विदेश मंत्रियों ने हस्ताक्षर किए।

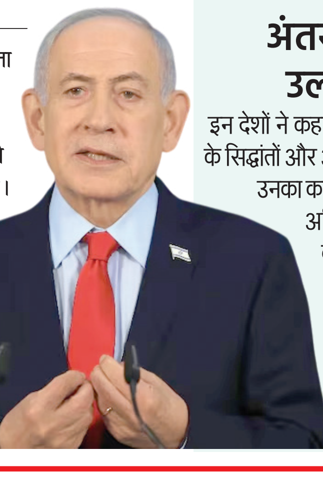

अंतरराष्ट्रीय नियमों के उल्लंघन का आरोप

इन देशों ने कहा कि इजराइल का फैसला यूनाइटेड नेशन के सिद्धांतों और अफ्रीकन यूनियन के नियमों के खिलाफ है। उनका कहना है कि ऐसे कदम अफ्रीका के हॉर्न क्षेत्र में अस्थिरता पैदा कर सकते हैं और क्षेत्रीय शांति को खतरे में डाल सकते हैं।विवाद की जड़ में इजराइल का हालिया फैसला है, जिसमें उसने सोमालीलैंड को स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता देने और वहां अपना प्रतिनिधि भेजने की घोषणा की। इस पर सोमालिया ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है।

क्या है सोमालीलैंड?

सोमालीलैंड ने 1991 में गृहयुद्ध के बाद खुद को सोमालिया से अलग घोषित कर दिया था। तब से यह अपनी सरकार, संसद, पुलिस, मुद्रा और प्रशासनिक व्यवस्था के साथ एक स्वतंत्र इकाई की तरह काम कर रहा है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसे व्यापक मान्यता नहीं मिली है। करीब 60 लाख की आबादी वाला यह क्षेत्र अफ्रीका के हॉर्न में स्थित है और Djibouti व इथोपिया से इसकी सीमाएं लगती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस फैसले से न केवल अफ्रीका बल्कि मध्य पूर्व और एशिया के देशों में भी कूटनीतिक तनाव बढ़ सकता है। कई देशों ने चेतावनी दी है कि इस तरह के कदम भविष्य में बड़े अंतरराष्ट्रीय विवाद को जन्म दे सकते हैं।

बदलापुर एमआईडीसी में केमिकल कचरा नालों में, उल्हास नदी पर बढ़ता प्रदूषण संकट

डीबीडी संवाददाता | बदलापुर

औद्योगिक क्षेत्र बदलापुर एमआईडीसी में रासायनिक कंपनियों द्वारा बिना ट्रीटमेंट के दूषित जल नालों में छोड़े जाने का मामला गंभीर होता जा रहा है। यह झागदार और केमिकल युक्त पानी नालों के जरिए सीधे उल्हास नदी में पहुंच रहा है, जिससे नदी का प्रदूषण स्तर तेजी से बढ़ रहा है और लाखों लोगों की सेहत पर खतरा मंडरा रहा है।

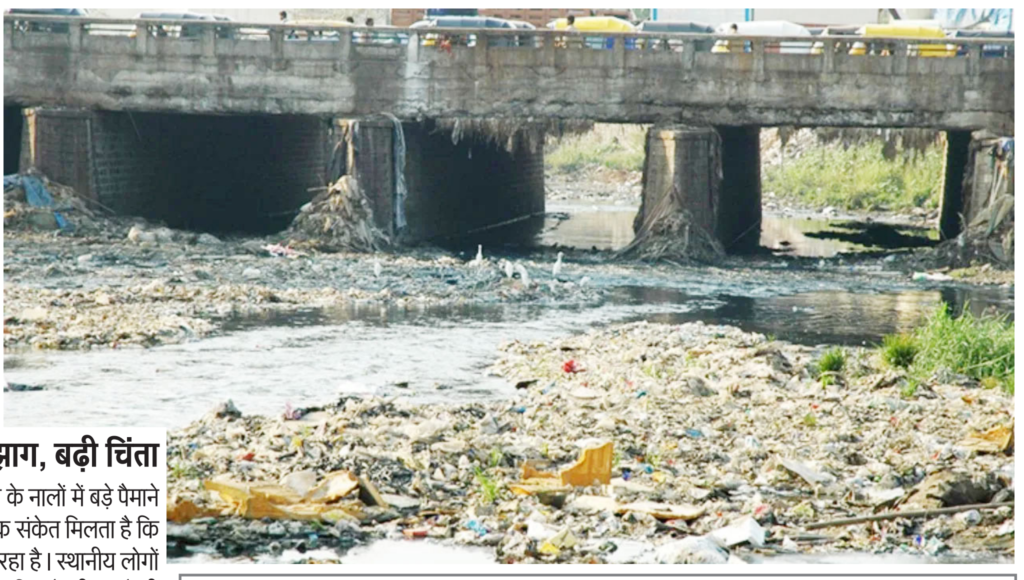

नालों में दिखा झाग, बढ़ी चिंता

शनिवार सुबह एमआईडीसी क्षेत्र के नालों में बड़े पैमाने पर झाग देखा गया, जिससे साफ संकेत मिलता है कि रासायनिक अपशिष्ट सीधे बहाया जा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कंपनियां खुलेआम नियमों की अनदेखी कर रही हैं, लेकिन संबंधित विभाग इस पर कार्रवाई करने में नाकाम साबित हो रहे हैं।नगरपालिका का स्वास्थ्य विभाग, स्वास्थ्य समिति और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी इस गंभीर मुद्दे को लेकर उदासीन नजर आ रहे हैं। अब तक प्रदूषण फैलाने वाली कंपनियों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।

ट्रीटमेंट प्लांट जल्द शुरू करने के निर्देश

इस समस्या के समाधान के लिए गुड़ी पड़वा के दिन विधायक की मौजूदगी में कंपनियों और महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल (MPCB) के अधिकारियों की बैठक हुई थी।कंपनियों को बिना ट्रीटमेंट के केमिकल जल न छोड़ने की सख्त चेतावनी दी गई। औद्योगिक क्षेत्र में 5 एमएलडी क्षमता के ट्रीटमेंट प्लांट का काम अंतिम चरण में बताया गया है।इसे जल्द शुरू करने के निर्देश भी दिए गए हैं।आरोग्य विभाग के सभापति किरण भोईर ने बताया कि इस संबंध में संबंधित विभाग को लिखित पत्र भी दिया गया है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

पानी सप्लाई पर भी खतरा

सबसे गंभीर पहलू यह है कि ठाणे जिले के कई शहरों को इसी उल्हास नदी से पानी की आपूर्ति होती है। ऐसे में यदि प्रदूषण पर जल्द नियंत्रण नहीं किया गया, तो यह सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का रूप ले सकता है। अब बड़ा सवाल यही है कि कंपनियों पर सख्त कार्रवाई कब होगी और प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए प्रशासन कितनी तेजी से कदम उठाता है।

ड्रग ओवरडोज मौत मामले में बाउंसर गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में आयोजित एक संगीत कार्यक्रम के दौरान मादक पदार्थों के अत्यधिक सेवन से दो छात्रों की मौत का मामला में एक बाउंसर को गिरफ्तार किया गया है। इस घटना ने शहर में सनसनी फैला दी है। घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक बाउंसर (सुरक्षाकर्मी) को गिरफ्तार किया है, जिस पर कार्यक्रम में ड्रग्स सप्लायरों को प्रवेश दिलाने का आरोप है।

सुरक्षा और निगरानी पर उठे सवाल

इस घटना ने बड़े आयोजनों में सुरक्षा व्यवस्था और ड्रग्स की उपलब्धता को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि कार्यक्रम में ड्रग्स की सप्लाई कैसे हुई और इसमें किन-किन लोगों की भूमिका थी।मुंबई में इस घटना के बाद युवाओं में बढ़ते नशे के चलन और इवेंट मैनेजमेंट में सुरक्षा खामियों को लेकर चिंता और बहस तेज हो गई है।

11 अप्रैल की घटना, 12 अप्रैल को हुई मौत

जानकारी के अनुसार, यह घटना 11 अप्रैल को मुंबई के गोरेगांव इलाके में आयोजित एक म्यूजिक इवेंट के दौरान हुई। कार्यक्रम में शामिल एमबीए के दो छात्रों -एक युवक और एक युवती-ने कथित रूप से 'एक्स्टेसी' ड्रग्स और शराब का सेवन किया था। उनकी तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां 12 अप्रैल को दोनों की मौत हो गई। इसके अलावा, एक अन्य छात्र का इलाज बॉम्बे अस्पताल में जारी है। जांच में सामने आया कि कार्यक्रम में तैनात बाउंसर प्रदीप अरविंद गुप्ता ने कथित रूप से ड्रग्स सप्लायरों-आयुष साहिटिया और विनीत गरलानी-को बिना टिकट कार्यक्रम में प्रवेश करने दिया। आरोप है कि इसके बदले उसने दोनों से 1000-1000 रुपये लिए।पुलिस ने बाउंसर को गिरफ्तार कर लिया है और इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या अब 10 हो गई है। पुलिस के अनुसार, अब तक गिरफ्तार 10 आरोपियों में छह कथित मादक पदार्थ सप्लायर और कार्यक्रम आयोजन से जुड़े तीन लोग शामिल हैं। अन्य गिरफ्तार आरोपियों में आयुष साहिटिया, प्रतीक पांडे, रौनक खंडेलवाल, आनंद पटेल, विनीत गरलानी, शुभ अग्रवाल, आकाश सनाल, सनी जैन और बालकृष्ण कुरुप शामिल हैं।प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि कुछ लोगों ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने से पहले ही एक्स्टेसी का सेवन कर लिया था, जबकि कार्यक्रम के दौरान शराब भी पी गई।

पारशिवनी में अवैध हथियार पर शिकंजा

नागपुर। पारशिवनी क्षेत्र में अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ नागपुर ग्रामीण की क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से करीब 40 हजार रुपये कीमत का देशी माउजर सहित कुल 47 हजार रुपये का मुद्देमाल जब्त किया है। स्थानीय अपराध शाखा को गुप्त सूचना मिली थी कि निंबा गांव निवासी सुचित जितेंद्र जतपेन के पास अवैध हथियार है। जांच के दौरान यह जानकारी सामने आई कि यह माउजर पारशिवनी के पुराने बस स्टॉप के पास रहने वाले अंकित राधु वालके (30) के घर में रखा गया है। इसके बाद पुलिस टीम ने शनिवार सुबह करीब साढ़े 7 बजे अंकित वालके के घर पर छापेमारी की।

जमीन विवाद ने लिया अंधविश्वास का रूप, जादूटोना कर जान से मारने की धमकी

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी तालुका के कोशिंबे गांव में जमीन विवाद से जुड़ा एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां रंजिश के चलते कथित तौर पर जादूटोना और अघोरी कृत्य किए जाने का आरोप लगा है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, हालांकि खबर लिखे जाने तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

रात में कथित अघोरी कृत्य

शिकायत के मुताबिक, 14 अप्रैल 2026 की रात करीब 11:45 बजे आरोपियों ने दीपक के घर के पीछे कथित तौर पर अघोरी कृत्य किया। आरोप है कि उन्होंने दीपक के भाई विश्वनाथ और उनकी पत्नी प्रियंका की तस्वीर रखकर उसके चारों ओर नींबू, चावल, कुंकू, उड़द, इत्र और अगरबत्ती सजाकर जादूटोना किया।बताया जा रहा है कि इसी दौरान दीपक और उनके भाई ने आरोपियों को मौके पर देख लिया। जब उनसे पूछताछ की गई, तो आरोपियों ने कथित तौर पर जादूटोना के जरिए जान से मारने की धमकी दी।

जमीन विवाद बना वजह

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दीपक दामोदर पवार (28) ने गणेशपुरी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने अपने पड़ोसी प्रभाकर परशुराम पवार और भावेश प्रभाकर पवार पर आरोप लगाया है कि दोनों के बीच लंबे समय से जमीन (बांध) को लेकर विवाद चल रहा है।

इन धाराओं में केस दर्ज

घटना से भयभीत पवार परिवार ने तुरंत पुलिस से संपर्क किया। पुलिस ने 15 अप्रैल 2026 को आरोपियों के खिलाफ महाराष्ट्र नरबली और अन्य अमानवीय, अनिष्ट व अघोरी प्रथा व जादूटोना प्रतिबंध अधिनियम 2013 की धारा 3(2) तथा Bharatiya Nyaya Sanhita 2023 की धारा 351(2) और 3(5) के तहत एफआईआर (क्र. 0183/2026) दर्ज की है।

गिरफ्तारी बाकी, जांच जारी

फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है, लेकिन अब तक किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि प्रगतिशील माने जाने वाले महाराष्ट्र में भी निजी विवादों में अंधविश्वास और जादूटोने का सहारा क्यों लिया जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे मामलों में कड़ी कानूनी कार्रवाई के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता भी बेहद जरूरी है।

विकसित भारत के संकल्प में पालघर की भागीदारी अनिवार्य: राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

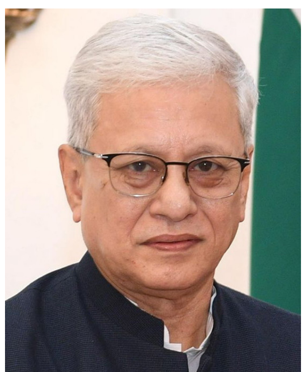

महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में पालघर जिले की भागीदारी अनिवार्य है। डहाणू तालुका के ओसरवीरा में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने वनबंधु ट्रस्ट और भारत विकास संगम द्वारा शुरू की गई मोबाइल क्लिनिक और एंबुलेंस सेवाओं का लोकार्पण किया। राज्यपाल ने कहा कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने आदिवासी बहुल पालघर में स्वास्थ्य, रोजगार और पेयजल की समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम उठाने का भरोसा दिया। साथ ही 'आदर्श गांव' की अवधारणा पर कार्य शुरू होने और जल्द ही समग्र विकास योजना तैयार करने की बात कही। उन्होंने "सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास" का उल्लेख करते हुए अंत्योदय पर जोर दिया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी डॉ. इंदु रानी जाखड़ पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख सहित कई अधिकारी और नागरिक उपस्थित थे।

भिवंडी के टिंबर मार्ट में भीषण आग, लाखों की लकड़ी जलकर खाक

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी तालुका अंतर्गत कोण गांव के कोनतरी इलाके में स्थित एक टिंबर मार्ट (लकड़ी गोदाम) में अचानक भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग ने पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया और आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही कल्याण और भिवंडी महानगरपालिका की फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और इसे आसपास के अन्य गोदामों और रिहायशी इलाकों तक फैलने से रोक लिया।

आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं

प्राथमिक जांच में आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और शॉर्ट सर्किट या अन्य संभावित कारणों को लेकर पड़ताल की जा रही है। आग की लपटें और धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई देने से स्थानीय लोगों में डर का माहौल बन गया था। समय रहते दमकल विभाग की तत्परता से बड़ी घटना टल गई।

लाखों का नुकसान, जनहानि टली

इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, जो राहत की बात है। हालांकि, गोदाम में रखी बड़ी मात्रा में लकड़ी पूरी तरह जलकर राख हो गई, जिससे मालिक को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है।

पुणे में सीनियर सिटीज़न्स को प्रॉपर्टी टैक्स में 30 प्रतिशत छूट की खबर निकली

PMC ने जारी किया स्पष्टीकरण

डीबीडी संवाददाता | पुणे

पुणे में पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया और व्हाट्सएप पर एक संदेश तेजी से वायरल हो रहा था।इस संदेश में दावा किया गया कि पुणे महानगर पालिका (PMC) वरिष्ठ नागरिकों को उनकी निजी आवासीय संपत्तियों के प्रॉपर्टी टैक्स में 30 प्रतिशत की विशेष छूट दे रही है।इस खबर के फैलते ही शहर के नागरिकों में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई और कई लोग इस योजना के बारे में जानकारी लेने के लिए सक्रिय हो गए। इस वायरल दावे पर अब पुणे महानगर पालिका के टैक्स कलेक्शन विभाग ने स्पष्ट प्रतिक्रिया दी है। विभाग ने आधिकारिक तौर पर बताया कि वरिष्ठ नागरिकों को प्रॉपर्टी टैक्स में 30 प्रतिशत छूट देने का दावा पूरी तरह से गलत और निराधार है। प्रशासन के अनुसार, न तो राज्य सरकार और न ही मनपा स्तर पर ऐसी कोई योजना लागू की गई है।

नहीं है ऐसी कोई सरकारी योजना

पुणे मनपा प्रशासन ने साफ किया कि वर्तमान में कोई भी ऐसी नीति अस्तित्व में नहीं है, जो केवल आयु के आधार पर संपत्ति कर में इतनी बड़ी छूट प्रदान करती हो। नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए केवल आधिकारिक वेबसाइट या मनपा के क्षेत्रीय कार्यालय से ही संपर्क करें। टैक्स कलेक्शन विभाग के उपायुक्त रवि पवार ने नागरिकों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर फैल रहे असत्यापित संदेशों पर विश्वास न करें। उन्होंने कहा कि इस तरह की अफवाहें केवल भ्रम फैलाने के उद्देश्य से वायरल की जाती हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि प्रॉपर्टी टैक्स के नियमों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है। नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि वे किसी भी जानकारी को बिना आधिकारिक पुष्टि के आगे फॉरवर्ड न करें, ताकि अनावश्यक भ्रम और गलतफहमियों से बचा जा सके।

भिवंडी में बढ़ा बुनियादी संकट

जन्म प्रमाणपत्र, पानी और राशन पर लोगों में नाराजगी

आंदोलन की चेतावनी

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी में नागरिक सुविधाओं का संकट लगातार गहराता जा रहा है। जन्म प्रमाणपत्र जारी करने में देरी, पानी की किल्लत और राशन वितरण में गड़बड़ियों ने आम लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। हालात ऐसे हैं कि लोग दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर हैं, लेकिन समाधान अब भी दूर नजर आ रहा है।

जन्म प्रमाणपत्र जारी करने में भारी देरी

शहर में जन्म प्रमाणपत्र को लेकर स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक, एक साल से अधिक उम्र के बच्चों के प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया लगभग ठप हो गई है।अस्पताल में जन्म के तुरंत बाद तो दस्तावेज मिल जाते हैं, लेकिन देरी होने पर सख्त सरकारी नियम और बार-बार बदलती प्रक्रिया लोगों के लिए बड़ी समस्या बन गई है।इस मुद्दे पर अबू आजमी ने कड़ा रुख अपनाते हुए तहसीलदार अभिजीत घोले को तलब किया और जल्द समाधान की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का निपटारा नहीं हुआ तो सड़कों पर उतरकर आंदोलन किया जाएगा।

बैठक में उठी कई अहम समस्याएं

इस मामले को लेकर हुई बैठक में स्थानीय नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने प्रशासन की धीमी कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई। नागरिकों की ओर से साफ कहा गया कि लगातार हो रही देरी से लोगों का भरोसा कम हो रहा है।तहसीलदार अभिजीत घोले ने बताया कि सख्त एसओपी के तहत हर दस्तावेज की विभिन्न विभागों से जांच अनिवार्य कर दी गई है, जिससे प्रक्रिया लंबी हो गई है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपने दस्तावेज पहले से सत्यापित कराकर जमा करें ताकि प्रक्रिया में तेजी लाई जा सके।

पानी की किल्लत ने बढ़ाई परेशानी

बैठक में पानी की समस्या भी प्रमुखता से उठाई गई।अदालत के आदेश के बाद प्रदूषण के कारण कुछ जल स्रोतों से आपूर्ति बंद कर दी गई है, जिससे पुराने भिवंडी के कई इलाकों में गंभीर जल संकट पैदा हो गया है।राशन व्यवस्था भी लोगों के लिए सिरदर्द बनी हुई है। ऑनलाइन सिस्टम की गड़बड़ियों के चलते कई जरूरतमंद परिवारों को पूरा राशन नहीं मिल पा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इन समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया तो-छात्रों की पढ़ाई प्रभावित होगी,स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें बढ़ेंगी,आम जनजीवन पर गहरा असर पड़ेगा,समाधान की मांग तेज। स्थानीय लोगों ने सरकार और भिवंडी मनपा से मांग की है कि तुरंत ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि नागरिकों को राहत मिल सके। कुल मिलाकर, भिवंडी में बढ़ती समस्याएं अब प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बनती जा रही हैं-और यदि समय रहते समाधान नहीं हुआ, तो आंदोलन की चेतावनी हकीकत में बदल सकती है।

स्मार्ट सिटी या 'हॉट सिटी'? ठाणे में गर्मी का कहर

40 डिग्री की तपिश में झुलसता शहर

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है। शहर का तापमान 38 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच चुका है और हालात यह संकेत दे रहे हैं कि ठाणे अब 'अर्बन हीट आइलैंड' के गंभीर प्रभाव से गुजर रहा है। तेजी से बढ़ती कंक्रीटिंग और घटती हरियाली ने शहर की प्राकृतिक ठंडक को लगभग खत्म कर दिया है।

हरियाली से कंक्रीट तक: बदलता ठाणे

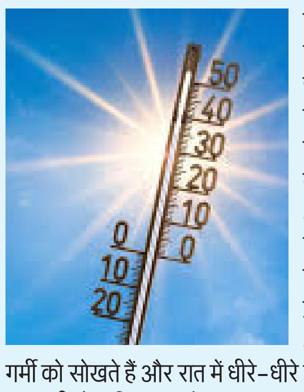

पर्यावरणविद डॉ. प्रशांत सिनकर के मुताबिक, ठाणे कभी अपनी हरियाली और प्राकृतिक संतुलन के लिए जाना जाता था, लेकिन अब यह सीमेंट-कंक्रीट के जाल में उलझता जा रहा है। खुली जमीन, जल स्रोत और घने पेड़-पौधे, जो प्राकृतिक कूलिंग का काम करते थे, अब तेजी से खत्म हो रहे हैं।शहरों में जब प्राकृतिक सतह की जगह कंक्रीट और डामर ले लेते हैं, तो वे दिनभर गर्मी को सोखते हैं और रात में धीरे-धीरे छोड़ते हैं। इससे-रात में भी तापमान कम नहीं होता,दिन-रात के तापमान का अंतर घट जाता है,शहर लगातार गर्म बना रहता है,ठाणे में यही प्रक्रिया अब तेज होती जा रही है।

'इवैपो-ट्रांसपिरेशन' घटा, बढ़ी गर्मी

पेड़-पौधे वातावरण से पानी छोड़कर तापमान को नियंत्रित करते हैं, जिसे 'इवैपो-ट्रांसपिरेशन' कहा जाता है। लेकिन ठाणे में हरियाली घटने से यह प्राकृतिक प्रक्रिया कमजोर हो गई है, जिससे वातावरण में गर्मी जमा हो रही है। बढ़ती गर्मी का असर सीधे लोगों की सेहत पर पड़ रहा है- हीट स्ट्रोक के मामले बढ़ने का खतरा,सांस और दिल की बीमारियों में इजाफा। बुजुर्ग, बच्चे और मजदूर वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित। विशेषज्ञों ने हालात सुधारने के लिए कुछ अहम सुझाव दिए हैं ग्रीन कवर बढ़ाना और देसी पेड़ों को बचाना,वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना,'कूल रूफ' तकनीक अपनाना,खुली जमीन और जल स्रोतों को संरक्षित करना,शहरी विकास में पर्यावरण संतुलन को प्राथमिकता देना,विकास बनाम पर्यावरण: ठाणे की असली चुनौती।ठाणे इस समय विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन की सबसे बड़ी चुनौती का सामना कर रहा है। अगर समय रहते ठोस और वैज्ञानिक कदम नहीं उठाए गए, तो यह शहर 'स्मार्ट सिटी' के साथ-साथ 'हॉट सिटी' के रूप में भी पहचान बना सकता है। कंक्रीट की बढ़ती परतें सिर्फ शहर का आकार बढ़ा रही हैं, लेकिन उसकी ठंडक छीन रही हैं। ऐसे में हरियाली ही वह सबसे आसान और प्रभावी उपाय है, जो ठाणे को फिर से संतुलित और रहने योग्य बना सकता है।

कांच की इमारतें और ट्रैफिक भी जिम्मेदार

विशेषज्ञों का मानना है कि कांच की ऊंची इमारतें 'ग्रीनहाउस इफेक्ट' पैदा करती हैं,वाहनों की बढ़ती संख्या और एसी का इस्तेमाल अतिरिक्त गर्मी पैदा करता है,इंडस्ट्रियल गतिविधियां भी तापमान बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रही हैं,इसके अलावा, बड़े और छायादार पेड़ों की जगह सजावटी पौधों का बढ़ता चलन भी स्थिति को और खराब कर रहा है।

पनवेल में अवैध स्कूलों पर बड़ी कार्रवाई

पनवेल। पनवेल मनपा ने बिना सरकारी मान्यता के चल रहे प्राइमरी स्कूलों के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए ऐसे संस्थानों की सूची जारी कर दी है। प्रशासन ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों का दाखिला केवल मान्यता प्राप्त स्कूलों में ही कराएं, अन्यथा उनके भविष्य पर गंभीर असर पड़ सकता है। मनपा आयुक्त मंगेश चितले ने स्पष्ट कहा कि अवैध स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को आगे चलकर शैक्षणिक मान्यता, प्रमाणपत्र और उच्च शिक्षा में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए एडमिशन से पहले स्कूल की वैधता जांचना बेहद जरूरी है। शिक्षा विभाग द्वारा जिन स्कूलों को बिना अनुमति संचालित पाया गया है, उनमें शामिल हैं-मार्शमैलो इंटरनेशनल स्कूल (ओवे),कालसेकर इंग्लिश मीडियम स्कूल (तलोजा),अर्कम इंग्लिश स्कूल (तलोजा),ओशन ब्राइट कॉन्वेंट स्कूल (तलोजा),ऑक्सफोर्ड इंग्लिश मीडियम स्कूल (कलंबोली), बजाज इंटरनेशनल स्कूल (तलोजा)द वेस्ट हिल हाई इंटरनेशनल स्कूल (तलोजा)।मनपा के शिक्षा विभाग ने इन सभी स्कूलों के खिलाफ केस दर्ज कर लिए हैं और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। प्रशासन का कहना है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी संस्थान को बख्शा नहीं जाएगा। मनपा ने उन अभिभावकों से भी अपील की है, जिन्होंने पहले ही इन स्कूलों में बच्चों का एडमिशन करा लिया है, वे तुरंत प्रवेश रद्द कराकर मान्यता प्राप्त स्कूलों में दाखिला सुनिश्चित करें। अतिरिक्त आयुक्त महेश कुमार ने कहा कि यह कार्रवाई नागरिकों के हित में की जा रही है और शिक्षा की गुणवत्ता व पारदर्शिता बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है।पनवेल मनपा का यह कदम शिक्षा व्यवस्था को व्यवस्थित करने और बच्चों के भविष्य को सुरक्षित रखने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

मुंबई 3.0 को रफ्तार 216 एकड़ भूमि अधिग्रहित

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

एमएमआरडीए ने 'मुंबई 3.0' की महत्वाकांक्षी परियोजना को आगे बढ़ाते हुए रायगढ़ जिले में प्रस्तावित ग्रोथ सेंटर के लिए 216 एकड़ भूमि का सफलतापूर्वक अधिग्रहण कर लिया है। खास बात यह है कि यह अधिग्रहण भूधारकों की सहमति से किया गया, जिससे इस परियोजना को शुरुआत में ही बड़ा समर्थन मिला है।

रायगढ़–पेण ग्रोथ सेंटर को मिली गति

रायगढ़ जिले के रायगढ़–पेण क्षेत्र में विकसित हो रहे इस नए ग्रोथ सेंटर के लिए भूधारकों ने बड़े पैमाने पर सहमति दी है। इससे यह स्पष्ट हो गया है कि 'मुंबई 3.0' की अवधारणा को जमीन पर उतारने के लिए स्थानीय स्तर पर भरोसा और भागीदारी दोनों मिल रहे हैं एमएमआरडीए की जन-केंद्रित और पारदर्शी 'सहभागितापूर्ण भूमि अधिग्रहण नीति' को लागू होते ही भूधारकों का सकारात्मक रुख देखने को मिला। इस मॉडल की खासियत यह है कि भूमि अधिग्रहण जबरन नहीं, सहमति से किया जा रहा है,भूधारक सिर्फ मुआवजा लेने वाले नहीं, बल्कि परियोजना के भागीदार बन रहे हैं,विकास प्रक्रिया में स्थानीय लोगों की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित की जा रही है,मुख्यमंत्री की मौजूदगी में समझौते पर हस्ताक्षर। 18 अप्रैल 2026 को हुए सहभागिता समझौते ने इस परियोजना को औपचारिक रूप से क्रियान्वयन की दिशा में आगे बढ़ा दिया। इस मौके पर देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे और एमएमआरडीए के महानगर आयुक्त डॉ. संजय मुखर्जी मौजूद रहे।

एमएमआरडीए आयुक्त ने क्या कहा?

एमएमआरडीए के महानगर आयुक्त डॉ. संजय मुखर्जी के अनुसार,'अल्प समय में 216 एकड़ भूमि का अधिग्रहण इस बात का प्रमाण है कि नागरिक इस मॉडल पर भरोसा कर रहे हैं। मुंबई 3.0 में भूधारक सह-निर्माता की भूमिका निभा रहे हैं।''मुंबई 3.0' के तहत एक आधुनिक, विश्वस्तरीय और एकीकृत शहर विकसित किया जाएगा, जिसमें बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, स्मार्ट अर्बन प्लानिंग, रोजगार के नए अवसर, संतुलित और समावेशी विकास पर जोर दिया जाएगा।

क्या बोले मुख्यमंत्री?

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा,'मुंबई 3.0 शहरी विकास का एक नया अध्याय है, जो लोगों के लिए और लोगों की सहभागिता से साकार होगा। हम केवल भूमि का अधिग्रहण नहीं कर रहे, बल्कि विश्वास का निर्माण कर रहे हैं।' उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा, 'यह सिर्फ नया शहर बनाने की परियोजना नहीं, बल्कि लोगों के साथ मिलकर विकास की पहल है।

विकास का नया मॉडल सहमति से शहर निर्माण

यह परियोजना पारंपरिक भूमि अधिग्रहण मॉडल से अलग है। यहां 'विस्थापन' नहीं, बल्कि 'सहमति और भागीदारी' के जरिए विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। 216 एकड़ भूमि अधिग्रहण के साथ 'मुंबई 3.0' अब योजना से आगे बढ़कर जमीन पर उतरता दिख रहा है। अगर इसी तरह सहभागिता और पारदर्शिता बनी रही, तो यह परियोजना भारत में शहरी विकास का एक नया मानक स्थापित कर सकती है।

मुंबई में 5 करोड़ रुपए की ड्रग के साथ तीन गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई की एंटी नारकोटिक्स सेल (एएनसी)की टीम ने शहर में ५ करोड़ रुपए की ड्रग सहित तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इस मामले की छानबीन एएनसी की टीम कर रही है। मुंबई पुलिस की एएनसी के अधिकारी ने रविवार को बताया कि उनकी टीम ने कुछ दिन पहले एक 36 साल की महिला को करीब 26 लाख रुपए कीमत का 104 ग्राम ड्रग के साथ गिरफ्तार किया था। उस महिला से पूछताछ के बाद पुलिस ने साकीनाका इलाके में छापा मारा और 4056 एक्स्टसी टैबलेट (कुल वजन 2030 ग्राम) ज़ब्त किया। जब्त किए गए ड्रग की कीमत इंटरनेशनल मार्केट में कीमत लगभग 5.07 करोड़ रुपए बताई जा रही है। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इस मामले की गहन छानबीन जारी है।

महाराष्ट्र में बदलेगा मौसम का मिजाज आंधी-तूफान और बारिश का अलर्ट

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार 20 से 22 अप्रैल के बीच राज्य के कई हिस्सों में आंधी-तूफान के साथ बारिश होने की संभावना है। इस दौरान तेज हवाएं, बिजली गिरने और कुछ इलाकों में ओलावृष्टि भी हो सकती है, जिससे जनजीवन और खेती दोनों प्रभावित हो सकते हैं। मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिम महाराष्ट्र के घाट क्षेत्र, खानदेश, मराठवाड़ा और विदर्भ के कुछ हिस्सों में दोपहर के बाद बादल छाने लगेंगे।पुणे क्षेत्र, दक्षिण मराठवाड़ा, छत्रपति संभाजीनगर और अमरावती सहित कई जगहों पर गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई गई है। 19 अप्रैल को ही कुछ क्षेत्रों में मौसम बिगड़ने के संकेत मिल चुके हैं, जबकि 20 और 21 अप्रैल को इसका असर अधिक व्यापक रहने की संभावना है। 22 अप्रैल तक बारिश की तीव्रता कुछ कम हो सकती है।

तेज हवाएं और बिजली गिरने का खतरा

इस दौरान कई स्थानों पर तेज हवाएं चलेंगी और बिजली कड़कने की घटनाएं भी हो सकती हैं। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है, खासकर खुले स्थानों और पेड़ों के नीचे खड़े होने से बचने को कहा गया है। कृषि विभाग ने किसानों को मौसम को ध्यान में रखते हुए अपने काम की योजना बनाने को कहा है। कटाई की गई फसलों को सुरक्षित स्थान पर रखें,कृषि उपज को खुले में न छोड़ें,तेज हवा और ओलावृष्टि से बचाव के उपाय करें,खेतों में पानी निकासी की व्यवस्था रखें,नुकसान से बचने के लिए सावधानी जरूरी।अचानक बदलते मौसम से फसलों को नुकसान होने की आशंका है। ऐसे में समय रहते सावधानी बरतना जरूरी है। कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि थोड़ी सी लापरवाही किसानों को भारी नुकसान पहुंचा सकती है। कुल मिलाकर, आने वाले तीन दिन महाराष्ट्र के लिए मौसम के लिहाज से संवेदनशील रहने वाले हैं। प्रशासन और विशेषज्ञों की सलाह मानकर ही काम करना सुरक्षित रहेगा।

अंधेरी कामगार अस्पताल के काम की होगी जांच

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

अंधेरी (पूर्व) के मरोल स्थित कामगार अस्पताल के पुनर्निर्माण का मामला गरमा गया है। काम की निविदाओं में हुई फेरफार और लागत खर्च बढ़ने के मसले की उच्च स्तरीय जांच होगी। इस सबंध में केंद्रीय श्रम मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

मरोल इलाके में श्रमिकों के लिए वर्ष 1985 में करीब 10.74 एकड़ में फैला यह अस्पताल स्थापित किया गया था। वर्ष 2008 में यह अस्पताल केंद्र सरकार को सौंप दिया गया था। इस अस्पताल में वर्ष 2018 में भीषण आग लग गई थी, जिसके कारण अस्पताल बंद कर दिया गया था। इसके पुनर्निर्माण की योजना बनाई गई थी। इस बीच याचिका दायर होने पर बॉम्बे हाई कोर्ट ने इस अस्पताल को 15 अगस्त 2025 तक निर्माण कार्य पूरा करने और 31 जनवरी 2026 तक अस्पताल को पूरी तरह चालू करने का निर्देश दिया था। लेकिन अभी तक इसका काम पूरा नहीं हो सका है। कई कामगार स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित हैं। इस मामले को लेकर मुंबई उत्तर पश्चिम लोकसभा सीट के सांसद रवींद्र वायकर ने केंद्रीय मंत्री मांडविया से ज्ञापन सौंपकर शिकायत की है. उन्होंने काम में घोटाले का आरोप लगाया है। केंद्रीय मंत्री मंडाविया ने मामले को संज्ञान में लेते हुए कामगार अस्पताल के दोबारा बनने में हो रही देरी और घोटाले की जांच के आदेश दिए हैं। जांच में दोषी पाए गए लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अस्पताल को पूरी क्षमता के साथ शुरू करने का निर्देश दिया है।

सांसद वायकर ने बताया कि करोड़ों रुपए स्वीकृत होने के बावजूद, लगभग 15 वर्षों से चल रही अस्पताल की जीर्णोद्धार परियोजना अभी भी लटकी हुई है। कई टेंडर में बदलाव किए जाने से परियोजना की लागत बढ़कर 254 करोड़ रुपए हो गई है। अस्पताल का काम अभी तक पूरा नहीं हुआ है। कुछ संरचनात्मक खामियों के कारण भी अस्पताल के संचालन में बाधा उत्पन्न हो रही है। इस मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए. इस संबंध में केंद्रीय मंत्री मांडविया ने जांच के आदेश दिए हैं।

चेंबूर और देवनार में 27 अवैध गैस सिलेंडर बरामद, 4 गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई के चेंबूर और देवनार में दो अलग -अलग जगहों पर डोमिनो पिज्जा सेंटर में खाद्यान्न विभाग की सतर्कताटीम ने छापा मारकर 27 अवैध गैस सिलेंडर बरामद किए हैं। इस मामले में चार आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है, मामले की छानबीन जारी है।

खाद्यान्न विभाग के मुख्य नियंत्रक चंद्रकांत डांगे ने रविवार को बताया कि उनकी सतर्कताटीम को चेंबूर और देवनार में डोमिनो पिज्जा सेंटर में अवैध तरीके सेरसोई गैस का इस्तेमाल किए जाने की गोपनीय जानकारी मिली थी। इसी जानकारी के आधार पर सतर्कता टीम ने दो अलग- अलग टीमों का गठन कर शनिवार रात को छापा मारा गया।

इसके तहत बीती रात खाद्यान्न विभाग की पहली कार्रवाई चेंबूर इलाके में पेस्टमसागर रोड पर विश्वसंगम टावर में डोमिनोज़ पिज़्ज़ा सेंटर में की गई। यहां जांच के दौरान पाया गया कि कुल 8 एलपीजी सिलेंडर अवैध रूप से प्राप्त कर बिना बिल के उपयोग किए जा रहे थे। इस मामले में करीब 25,970 रुपए का माल जब्त कर दो आरोपियों के खिलाफ तिलकनगर (चेंबूर) पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। इन दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आगे की जांच जारी है। इसी तरह देवनार क्षेत्र के अर्जुन सेंटर में डोमिनोज पिज्जा सेंटर पर भी बीती रात छापा मारा गया। यहां कुल 19 अवैध एलपीजी सिलेंडर बिना बिल के उपयोग किए जाते पाए गए। घटनास्थल पर करीब 49,117 रुपए का सामान ज़ब्त किया गया है और दो आरोपियों के खिलाफ गोवंडी पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है और दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इन दोनों मामलों की गहन छानबीन जारी है।

मुंबई में सरकारी जमीन पर चल रहे हैं 164 अवैध स्कूल : किरीट सोमैया

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने रविवार को आरोप लगाते हुए कहा कि मुंबई के मुसलिम बहुल इलाकों में 164 बिना इजाज़त वाले स्कूल चलाए जा रहे हैं। किरीट सोमैया ने दावा किया कि यह सभी अवैध स्कूल गोवंडी, मलाड और कुर्ला इलाकों चलाए जा रहे हैं।

सोमैया ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि मुंबई में 'जमीन माफिया' पिछले 15 से 20 सालों से एक्टिव हैं। उन्होंने दावा किया कि उनका काम करने का तरीका पहले ज़मीन हड़पना और फिर बिना इजाज़त उस पर प्राइवेट स्कूल शुरू करना था। उन्होंने सनसनीखेज आरोप लगाते हुए कहा, 'मुंबई में सिर्फ 'लैंड जिहाद' ही नहीं, बल्कि अब 'स्कूल जिहाद' भी शुरू हो गया है। गोवंडी में 65, मलाड में 25 और कुर्ला में 12 बिना इजाज़त के मुसलमान स्कूल चला रहे हैं। खास बात यह है कि कुछ जगहों पर इन स्कूलों को मस्जिद में बदलने और वहां जिहाद फैलाने का काम किया जा रहा है।'

सोमैया ने कहा है कि इन स्कूलों का इस्तेमाल पिछले 15 सालों से मुंबई में आने वाले गैर-कानूनी बांग्लादेशी इमिग्रेंट्स को ठहराने और अपना नेटवर्क बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि यह मुंबई नगर निगम में सालों से चल रहे करप्शन का नतीजा है। उन्होंने बताया कि उन्होंने इस मामले में होम डिपार्टमेंट और एजुकेशन डिपार्टमेंट के अधिकारियों के साथ कई मीटिंग की हैं। एजुकेशन डिपार्टमेंट ने इन शिकायतों पर ध्यान दिया है, जांच पूरी की है और रिपोर्ट सौंपी है। सोमैया ने कहा कि इन अवैध स्कूलों पर प्रशासन की ओर से अगले सप्ताह से कार्रवाई शुरु करने का आश्वासन उन्हें अधिकारियों ने दिया है।

एसजीएनपी मास्टर योजना पर बवाल, विरोध में उतरे आदिवासी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बोरीवली स्थित संजय गांधी नेशनल पार्क के इको-सेंसिटिव ज़ोन के लिए तैयार किए गए ड्राफ्ट ज़ोनल मास्टर प्लान को लेकर विवाद गहरा गया है। स्थानीय आदिवासियों ने इसके खिलाफ आवाज मुखर की है। उन्होंने वन व पर्यावरण संरक्षण का हवाला देते हुए इस योजना को रद्द करने की मांग की है।

आदिवासी समाज के अध्यक्ष दिनेश हबाले के अनुसार हम पीढ़ियों से इस क्षेत्र में रह रहे हैं। जंगल उनके जीवन, आजीविका और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। ऐसे में प्रस्तावित योजना में पुनर्वास और संभावित विस्थापन के संकेत हमें स्वीकार्य नहीं हैं। योजना केवल अंग्रेज़ी में उपलब्ध कराई गई है, जिससे स्थानीय लोगों के लिए इसे समझना कठिन हो गया है। उनका आरोप है कि यह योजना बिना जनभागीदारी और असहमति के बनाई गई है, जो वन अधिकार अधिनियम 2006 की भावना के विपरीत है। आदिवासियों का आरोप है कि कई व्यक्तिगत और सामुदायिक वन अधिकार दावे अभी लंबित हैं। फिर भी प्रशासन आगे की योजना बना रहा है। हमारी प्रमुख मांगों में ड्राफ्ट योजना को रद्द करना, ग्राम सभाओं से व्यापक परामर्श, योजना को मराठी भाषा में उपलब्ध कराना और पहले वन अधिकारों का पूर्ण निपटारा शामिल है। हमें विश्वास में नहीं लिया गया है। इसके खिलाफ हमारा विरोध जारी रहेगा।

मुंबई भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा की नई कार्यकारिणी घोषित

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भारतीय जनता पार्टी के मुंबई अध्यक्ष अमीत साटम के निर्देश के बाद मुंबई भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा की नई कार्यकारिणी घोषित कर दी गई है। मोर्चा के अध्यक्ष प्रमोद मिश्रा ने रविवार को अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर नई कार्यकारिणी की घोषणा की।

नई कार्यकारिणी में कुल 55 पदाधिकारियों व सदस्यों को शामिल किया गया है। इसमें 9 उपाध्यक्ष, 4 महासचिव, 9 सचिव और 1 कोषाध्यक्ष व अन्य पदों का समावेश है। मनोज सिंह, अजय शुक्ला, बबलू विश्वकर्मा, विजय यादव, बृजेश दुबे, विजय सिंह, राजेश यादव, चंदन तिवारी और प्रभाकर चतुर्वेदी को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। दया शंकर यादव, अजित सिंह, मनोज जायसवाल और विनय दुबे को महामंत्री बनाया गया है। इसके सात ही राहुल यादव, डॉ. नूतन सिंह, शिव मिश्रा, कैलाश यादव, रविन्द्र पांडेय, महेंद्र चौरसिया, सूर्यकांत शर्मा, राजेंद्र मिश्रा और जगत नारायण गुप्ता को सचिव नियुक्त किया गया है। इसके अलावा अन्य प्रमुख नियुक्तियों में राजकुमार सिंह को कोषाध्यक्ष, आशीष मिश्रा को सोशल मीडिया प्रमुख, सचिन प्रजापति को सोशल मीडिया सह-प्रमुख, मयंक शेखर को उत्तर भारतीय युवा मोर्चा युवा प्रमुख, संध्या पाठक को महिला प्रमुख, ओम प्रकाश पांडे को कार्यालय प्रमुख, पारूल चौधरी को मीडिया प्रमुख, नीलेश पंडित को विधि (लीगल) प्रमुख के अतिरिक्त 23 कार्यकारिणी सदस्यों को संगठनात्मक दायित्व सौंपे गए हैं। इस अवसर पर प्रमोद मिश्रा ने बताया कि नई कार्यकारिणी में संगठन को अधिक मजबूत और सक्रिय बनाने के उद्देश्य से समाज के हर वर्ग को प्रतिनिधित्व दिया गया है।

फोर्ट में पांच दुकानों में लगी आग

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

दक्षिण मुंबई के फोर्ट इलाके में रविवार को भीषण आग लग गई। इस घटना में चार से पांच दुकानों में रखा सामान जलकर खाक हो गया। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ।

बीएमसी से मिली जानकारी के अनुसार फोर्ट इलाके के एलटी मार्ग पर स्थित उमरीकर बिल्डिंग की तल मंजिल पर बादशाह कोल्ड्रिंक्स में आग लगी। इससे चार से पांच दुकानें चपेट में आ गई। सूचना मिलते ही फौरन फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। इसके अलावा स्थानीय पुलिस, बेस्ट कर्मी और मनपा कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

इसी तरह मुंबई सेंट्रल के डीबी मार्ग पर स्थित रिलायंस मॉल के सामने, नवजीवन सोसाइटी के पास आग लगी थी। आग लगभग 5000 वर्ग फुट के इलाके में ग्राउंड और पहली मंज़िल पर मौजूद 5 बड़ी दुकानों और 7 छोटी दुकानों में लगी थी। आग बिजली के तारों, बिजली के उपकरणों और अन्य सामान तक सीमित थी। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। इस घटना में भी किसी हताहत होने की सूचना नही हैं।

पश्चिम रेलवे

इलेक्ट्रिकल कार्य

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सब), पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008, **ई-टेंडर सूचना संख्या: WR-MMCTOESUB (ESPT)/16/ 2025** आमंत्रित करते हैं। **कार्य का नाम:** 'बोरीवली-विरार के बीच मुंबई डिवीजन के सेक्शन में ऑक्ज़िलरी ट्रांसफॉर्मर के डुप्लीकेट केबल की व्यवस्था।' **कार्य की अनुमानित लागत:** 75,57,930.78/-, **बिड सुरक्षा:** 1,51,200/-, **जमा करने की तिथि एवं समय:** 18.05.2026 को 15:00 बजे तक, निर्धारित तरीके से। **खोलने की तिथि एवं समय:** 18.05.2026 को 15:30 बजे। **वेबसाइट विवरण:** टेंडर को वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से देखा और जमा किया जा सकता है।

0011

Like us on: facebook.com/WesternRly

अंधेरी पूर्व में भगवान परशुराम शोभा यात्रा भव्यता और श्रद्धा के साथ संपन्न

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भगवान परशुराम जयंती के पावन अवसर पर अंधेरी पूर्व में 'स्वयंसेवी सेना' द्वारा आयोजित भव्य शोभा यात्रा श्रद्धा, उत्साह और आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ संपन्न हुई। शोभा यात्रा में भगवान परशुराम को सुसज्जित परशुराम रथ पर विराजमान किया गया, जिसके दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरे मार्ग में जयकारों की गूंज सुनाई दी। यात्रा के दौरान पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाओं ने लेझिम खेलते हुए मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया, वहीं अघोरी नृत्य ने दिव्य ऊर्जा और शक्ति का संचार करते हुए वातावरण को अत्यंत आध्यात्मिक बना दिया। इस्कॉन की भजन मंडली के भजनों और ढोल-ताशों की धुन पर भक्तगण नाचते-गाते आगे बढ़ते रहे। शोभा यात्रा का एक विशेष आकर्षण हिंदू स्वराज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज और उनके मावलों की प्रतीकात्मक टोली रही, जिनके 'जय भवानी-जय शिवाजी' के उद्घोष से पूरा वातावरण वीरता और भक्ति के संगम में बदल गया।इस अवसर पर अंधेरी पूर्व के विधायक मुरजी पटेल और पूर्व सांसद संजय निरुपम ने भगवान परशुराम के समक्ष श्रद्धापूर्वक प्रणाम कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

आयोजन समिति के प्रमुख विनोद मिश्रा ने कहा,'भगवान परशुराम की यह पावन शोभा यात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने और हमारी संस्कृति व परंपराओं को सशक्त करने का एक माध्यम है। प्रभु के दिव्य आशीर्वाद से समस्त समाज में सकारात्मक ऊर्जा, एकता और धर्म के प्रति आस्था का संचार हुआ हैयही हमारे प्रयास की सबसे बड़ी सफलता है।'कार्यक्रम का समापन भक्तिमय वातावरण में हुआ, जिसने सभी श्रद्धालुओं के हृदय में गहरी आध्यात्मिक छाप छोड़ी।

सार्वजनिक सूचना

यह सार्वजनिक सुचना सभी को सूचित करने के लिए है कि, ईस्ट - वेस्ट इंडस्ट्रियल सेंटर, गाँव- मोहिली, तहसिल कुर्ला, साकीनाका, अंधेरी पू. मुंबई मे स्थित संपत्ती जिसका सि सर्वे नं. ६७५ है। इस संपत्ती का मालकी हक्क युनिटॉप केमिकल प्रा.लि. (CIN U24110MH1980PTC022967) PAN AAACU1406F, रोझारी हाउस, गोल्डन ओक, एल. बी. एस. मार्ग, सुर्या नगर, महिंद्रा शो रूम जवळ, विक्राळी (प), मुंबई ४०००७९ के नाम पर है। हमारे अशिल ने यह संपत्ती बेचने का निर्णय लिया है। उक्त संपत्ती वर्तमान हमारे अशिल मालिकी हक्क होने के कारण बेचने का पुर्ण अधिकार प्राप्त है।

सि सर्वे नं. ६७५ स्थित संपती का विवरण

युनिट नं	माळा	क्षेत्रफळ
०२३	तळ माळा	क्षेत्र १६६.७४ स्के. मिटर, १७९४.८९ स्के.फुट कारपेट क्षेत्र
१२३	१ ला माळा	क्षेत्र १६६.७४ स्के. मिटर, १७९४.८९ स्के.फुट कारपेट क्षेत्र
२२३	२ रा माळा	क्षेत्र १६६.७४ स्के. मिटर, १७९४.८९ स्के.फुट कारपेट क्षेत्र

यह सार्वजनिक सुचना सभी को सुचित करने के लिए है कि उक्त संपत्ती में किसी भी प्रकार का अधिकार, अनुबंध, गिरवी, दान, भार, बंधक, उपहार समझौता, कब्जा या अन्य हित रखने व्यक्ती या संस्था को १४ दिनों के भीतर लिखित रूप में प्रमाण सहित अपनी आपत्ती दर्ज करे अन्यथा मौजुदा मालिको के अलावा किसी और का उक्त संपत्ती मे कोई अधिकार हित नही होगा। हमी अपनी संपत्ती की खरीद की आगे की प्रक्रिया को इस प्रकार पूरा करेंगे यह ध्यान दिया जाये, समय सीमा के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नही किया जाएगा। इसी कारण से यह सार्वजनिक सूचना जारी की गई है।

At. Janki sita Apt., Gala No.4, Near Kunbi Bhavan, Opp. Tahsil Office, Shahapur, Tal. Shahapur, Dist.Thane, Pin Code.421601

सही/-
ॲड. प्रशांत उ. पंडित
वकील

सूचना

हम, श्री शंकरलाल सोहनलाल चौहान (पिता), आयु 51 वर्ष, तथा श्रीमती भगवती शंकरलाल चौहान (माता), आयु 47 वर्ष, निवासी JP North Aviva, D-3605, मीरा रोड, ठाणे – 401107, यह सार्वजनिक रूप से सूचित करते हैं कि कुछ व्यक्तिगत एवं पारिवारिक कारणों से (जिन्हें हम प्रकट नहीं करना चाहते), हमने अपने पुत्र श्री राजेश शंकरलाल चौहान, आयु 27 वर्ष, निवासी फ्लैट नं. 1209, Tiara Hills, मीरा रोड, ठाणे, को अपने परिवार से तथा अपनी सभी चल एवं अचल संपत्तियों से निष्कासित एवं वंचित कर दिया है।

इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से उनका हमारी किसी भी संपत्ति या परिसंपत्तियों पर कोई अधिकार, दावा, स्वामित्व या हित नहीं रहेगा।हम समस्त जनता, रिश्तेदारों तथा संबंधित व्यक्तियों को यह भी सूचित करते हैं कि यदि कोई व्यक्ति हमारे पुत्र के साथ हमारे या हमारी संपत्ति से संबंधित किसी भी वित्तीय या अन्य प्रकार के लेन-देन करता है, तो वह पूरी तरह अपने जोखिम एवं जिम्मेदारी पर करेगा। उसके द्वारा किए गए किसी भी लेन-देन या प्रतिबद्धताओं के लिए हम उत्तरदायी नहीं होंगे।

संपादकीय

त्योहारों के दौरान उपभोक्तावाद और कर्ज़ संस्कृति

भारत जैसे सांस्कृतिक रूप से समृद्ध देश में त्योहार केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामाजिक एकता, पारिवारिक मेल-मिलाप और आंतरिक प्रसन्नता का प्रतीक रहे हैं। अक्षय तृतीया, दीपावली, दशहरा जैसे पर्व सदियों से सादगी, श्रद्धा और संतुलित जीवन मूल्यों का संदेश देते आए हैं। लेकिन बदलते समय के साथ इन त्योहारों का स्वरूप तेजी से परिवर्तित हो रहा है। आज त्योहारों का अर्थ केवल आस्था तक सीमित नहीं रह गया, बल्कि यह बड़े पैमाने पर उपभोग और बाज़ारवाद से जुड़ गया है। वर्तमान समय में उपभोक्तावाद ने त्योहारों की आत्मा को प्रभावित किया है। बाजार, विज्ञापन और डिजिटल माध्यम लोगों को लगातार अधिक खरीदारी के लिए प्रेरित करते हैं। "त्योहार ऑफर", "विशेष छूट" और "आसान किश्तों" जैसे आकर्षक शब्द आम व्यक्ति को यह विश्वास दिलाते हैं कि अधिक खर्च करना ही उत्सव मनाने का सही तरीका है। परिणामस्वरूप, लोग अपनी आय और आवश्यकताओं से अधिक खर्च करने लगते हैं। आंकड़े बताते हैं कि त्योहारों के दौरान क्रेडिट कार्ड खर्च में लगभग 15 प्रतिशत की वृद्धि होती है और औसतन एक कार्डधारक का मासिक खर्च 19 हजार रुपये से अधिक तक पहुंच जाता है। यह प्रवृत्ति धीरे-धीरे एक नई कर्ज़ संस्कृति को जन्म दे रही है। कर्ज़ लेकर त्योहार मनाने की यह आदत समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही है। एक सर्वे के अनुसार लगभग 42 प्रतिशत लोगों ने दीपावली जैसे त्योहारों पर 50 हजार रुपये से अधिक खर्च किया, जिसमें बड़ी संख्या ऐसे लोगों की भी है जिन्होंने एक लाख रुपये से अधिक खर्च किया। पहले जहां लोग अपनी सीमित आय में रहकर सादगी से उत्सव मनाते थे, वहीं अब सामाजिक दबाव और दिखावे की प्रवृत्ति उन्हें उधार लेने के लिए प्रेरित करती है। क्रेडिट कार्ड, आसान ऋण योजनाएं और "अभी खरीदें, बाद में भुगतान करें" जैसी सुविधाएं इस प्रवृत्ति को और बढ़ावा देती हैं। अल्पकालिक खुशी के लिए लिया गया यह कर्ज़ कई बार दीर्घकालिक आर्थिक संकट का कारण बन जाता है। इस बदलते परिदृश्य का सामाजिक प्रभाव भी गहरा है। उपभोक्तावाद के कारण त्योहारों का मूल उद्देश्य—साझा खुशी, आपसी संबंधों की मजबूती और आध्यात्मिक संतुलन—धीरे-धीरे पीछे छूटता जा रहा है। लोग रिश्तों से अधिक वस्तुओं को महत्व देने लगे हैं। उपहारों की कीमत, कपड़ों की ब्रांड और घर की सजावट अब सामाजिक प्रतिष्ठा का पैमाना बनती जा रही है। इससे समाज में असमानता की भावना और प्रतिस्पर्धा भी बढ़ती है। एक अन्य सर्वे के अनुसार लगभग 92 प्रतिशत लोग अपने त्योहार खर्च को बढ़ाने या बनाए रखने की योजना बनाते हैं, जो इस मानसिकता को और स्पष्ट करता है। आर्थिक दृष्टि से भी यह प्रवृत्ति संतुलित नहीं कही जा सकती। त्योहारों के दौरान देश में कुल उपभोक्ता खर्च 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक तक पहुंच जाता है, लेकिन इसके तुरंत बाद इसमें गिरावट देखी जाती है, जो यह संकेत देती है कि लोग कर्ज़ के दबाव में आ जाते हैं और बाद में खर्च कम कर देते हैं। ई-कॉमर्स क्षेत्र में भी त्योहारों के समय लगभग 1.2 लाख करोड़ रुपये तक की बिक्री का अनुमान लगाया जाता है, जो उपभोक्तावाद के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है। स्पष्ट है कि त्योहारों की आत्मा को बचाने के लिए संतुलन आवश्यक है। उपभोग पूरी तरह गलत नहीं है, लेकिन जब यह आवश्यकता से अधिक होकर दिखावे और कर्ज़ का कारण बन जाए, तब यह चिंता का विषय बन जाता है। हमें यह समझना होगा कि त्योहारों की वास्तविक खुशी वस्तुओं में नहीं, बल्कि संबंधों, सादगी और आत्मिक संतोष में निहित है। यदि समाज समय रहते इस दिशा में जागरूक नहीं हुआ, तो उत्सव की यह परंपरा धीरे-धीरे आर्थिक बोझ और मानसिक तनाव का कारण बन सकती है।

युद्ध की विभीषिका और कागज उद्योग

मुनीब चौरसिया
पत्रकार

कागज उद्योग की रीढ़ वुड पल्प (लकड़ी की लुगदी) और वेस्ट पेपर (रद्दी कागज) है। रूस दुनिया के कुल सॉफ्टवुड पल्प का एक विशाल हिस्सा निर्यात करता है। युद्ध के कारण लगे प्रतिबंधों और आपूर्ति श्रृंखला टूटने से पल्प की कीमतों में भारी अस्थिरता आई है। आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले 18 महीनों में वैश्विक स्तर पर पल्प की कीमतों में 25% से 35% तक की वृद्धि दर्ज की गई है। यूरोपीय देश, जो कागज उत्पादन के बड़े केंद्र हैं, कच्चे माल के लिए रूस और बेलारूस पर निर्भर थे। अब स्थिति यह है कि पल्प की कमी के कारण फिनलैंड और स्वीडन जैसी बड़ी मिलों को अपने उत्पादन लक्ष्यों में भारी कटौती करनी पड़ रही है।

वर्तमान में चल रहे रूस-यूक्रेन संघर्ष और मध्य-पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को एक ऐसे दोराहे पर खड़ा कर दिया है, जहाँ से वापसी की राह कठिन नजर आती है। युद्ध केवल हथियारों और सीमाओं तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसकी लहरें दुनिया के कोने-कोने में स्थित उद्योगों को प्रभावित करती हैं। इस आग की आंच में आज दुनिया का कागज उद्योग बुरी तरह झुलस रहा है। शिक्षा से लेकर समाचार पत्रों तक और ई-कॉमर्स पैकेजिंग से लेकर कार्यालयी कामकाज तक, कागज हमारी जीवनशैली का अभिन्न अंग है, लेकिन युद्ध ने इसकी उपलब्धता और कीमतों को एक अनिश्चित भविष्य की ओर धकेल दिया है।

कागज उद्योग की रीढ़ वुड पल्प (लकड़ी की लुगदी) और वेस्ट पेपर (रद्दी कागज) है। रूस दुनिया के कुल सॉफ्टवुड पल्प का एक विशाल हिस्सा निर्यात करता है। युद्ध के कारण लगे प्रतिबंधों और आपूर्ति श्रृंखला टूटने से पल्प की कीमतों में भारी अस्थिरता आई है। आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले 18 महीनों में वैश्विक स्तर पर पल्प की कीमतों में 25% से 35% तक की वृद्धि दर्ज की गई है। यूरोपीय देश, जो कागज उत्पादन के बड़े केंद्र हैं, कच्चे माल के लिए रूस और बेलारूस पर निर्भर थे। अब स्थिति यह है कि पल्प की कमी के कारण फिनलैंड और स्वीडन जैसी बड़ी मिलों को अपने उत्पादन लक्ष्यों में भारी कटौती करनी पड़ रही है। जब मांग स्थिर हो और आपूर्ति में अचानक 20% की गिरावट आ जाए, तो कीमतों का आसमान छूना स्वाभाविक है। कागज निर्माण एक ऊर्जा-प्रधान उद्योग है। लुगदी को कागज में बदलने के लिए बड़ी मात्रा में ऊष्मा और बिजली की आवश्यकता होती है। यूरोप में गैस संकट ने इस उद्योग की कमर तोड़ दी है। युद्ध के कारण प्राकृतिक गैस की कीमतों में 200% से 300% तक का उछाल देखा गया, जिससे कई छोटी मिलों के लिए उत्पादन जारी रखना आर्थिक रूप से असंभव हो गया। भारत जैसे देशों में भी, जहाँ ऊर्जा के लिए कोयले और आयातित ईंधन पर निर्भरता है, वैश्विक कीमतों के असर से उत्पादन लागत 15% से 20% बढ़ गई है। रसायनों की कीमतें भी ऊर्जा संकट के कारण बढ़ी हैं, जिससे कागज को सफेद और चमकदार बनाने की प्रक्रिया अब पहले से कहीं अधिक महंगी हो गई है।

इस संकट का सबसे मार्मिक पक्ष समाचार पत्र उद्योग है। भारत अपनी न्यूजप्रिंट की जरूरतों का लगभग 45% से 50% हिस्सा आयात करता है। युद्ध से पहले जो न्यूजप्रिंट लगभग $450 से $500 प्रति टन पर उपलब्ध था, वह संकट के चरम पर $900 से $1000 प्रति टन तक पहुंच गया। इस वित्तीय बोझ का परिणाम यह हुआ कि कई स्थापित समाचार पत्रों को अपने पन्नों की संख्या कम करनी पड़ी है। छोटे और क्षेत्रीय समाचार पत्रों के लिए तो अस्तित्व बचाना ही मुश्किल हो गया है। विज्ञापन राजस्व में कमी और कागज की कीमतों में 80% से 100% की वृद्धि ने प्रिंट मीडिया के सामने एक अभूतपूर्व संकट खड़ा कर दिया है, जो सूचना के स्वतंत्र प्रवाह के लिए भी एक चिंता का विषय है। युद्ध ने केवल उत्पादन ही नहीं, बल्कि परिवहन को भी महंगा और जटिल बना दिया है। काला सागर जैसे प्रमुख व्यापारिक मार्ग असुरक्षित हो गए हैं। जहाजों को अब हजारों मील का अतिरिक्त सफर तय करना पड़ रहा है, जिससे ईंधन की खपत बढ़ी है। माल ढुलाई की दरों में युद्ध के बाद से 30% से 40% की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, कंटेनरों की कमी और बंदरगाहों पर लगने वाले लंबे जाम ने कागज की डिलीवरी के समय को दोगुना कर दिया है। पहले जो खेप 30 दिनों में पहुंचती थी, अब उसे पहुंचने में 60 से 75 दिन लग रहे हैं। यह अनिश्चितता इन्वेंट्री प्रबंधन को कठिन बना रही है, जिससे बाजार में कृत्रिम कमी और जमाखोरी की स्थिति पैदा हो रही है।

हर संकट अपने साथ बदलाव के बीज भी लाता है। कागज की बढ़ती कीमतों और दुर्लभता ने दुनिया को डिजिटल विकल्पों और पेपरलेस वर्कफ्लो की ओर तेजी से बढ़ने पर मजबूर किया है। शिक्षा क्षेत्र में ई-पुस्तकों का चलन बढ़ा है, और कॉर्पोरेट जगत अब भौतिक दस्तावेजों के बजाय क्लाउड स्टोरेज को प्राथमिकता दे रहा है। हालांकि, पैकेजिंग उद्योग में कागज की मांग कम नहीं हुई है। प्लास्टिक पर प्रतिबंध और ई-कॉमर्स के विस्तार के कारण कागज और बोर्ड की मांग में सालाना 10% से 12% की वृद्धि हो रही है। इस मांग को पूरा करने के लिए अब उद्योगों को वैकल्पिक स्रोतों, जैसे गन्ने की खोई, पुआल और बांस के रेशों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। रिसाइक्लिंग तकनीकों में निवेश करना अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता बन गया है। युद्ध की इस छाया ने यह स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी उद्योग की अति-निर्भरता खतरनाक हो सकती है। कागज उद्योग के लिए यह समय आत्म-मंथन का है। हमें अपनी घरेलू उत्पादन क्षमता को बढ़ाना होगा और कच्चे माल के स्थानीय स्रोतों को विकसित करना होगा। यदि युद्ध लंबे समय तक खिंचता है, तो कागज की कीमतों में सालाना 15% की और वृद्धि होने का अंदेशा है। सरकार को चाहिए कि वह न्यूजप्रिंट और पल्प के आयात पर शुल्कों की समीक्षा करे और देश के भीतर एग्रो-बेस्ड पेपर मिलों को प्रोत्साहन दे।

हमारी गीता

सुख-दुःख अनित्य हैं

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

भगवान का यह गूढ़ संदेश है कि शीत-उष्ण, सुख-दुःख—ये सभी स्थितियाँ क्षणभंगुर हैं। वे आती हैं और चली जाती हैं, अर्थात अनित्य हैं। जीवन में जो भी अनुभव हमें प्राप्त होते हैं, वे स्थायी नहीं होते। यह समझ यदि हृदय में उतर जाए, तो जीवन का बोझ हल्का हो सकता है और दृष्टि संतुलित बन सकती है। एक छोटे बच्चे को जब इंजेक्शन लगाया जाता है, तो उसे पहले से ही समझाया जाता है—"बस थोड़ा सा चुभेगा, फिर सब ठीक हो जाएगा।" किंतु उस क्षण में बच्चा इतना भयभीत हो जाता है, मानो कोई बहुत बड़ी विपत्ति आ गई हो। वास्तव में वह पीड़ा केवल कुछ क्षणों की होती है, परंतु उस समय वह उसे असहनीय और दीर्घकालिक प्रतीत होती है। यही स्थिति हमारे जीवन के दुःखों की भी है। वे क्षणिक होते हैं, परंतु हम उन्हें स्थायी मानकर व्यर्थ ही भय और चिंता में डूब जाते हैं। यदि हम भगवान के इस वचन पर गहराई से विचार करें, तो समझ में आता है कि जीवन के सभी सुख और दुःख केवल अनुभव हैं—जो आते हैं और चले जाते हैं। इंद्रियों और उनके विषयों के संयोग से ही ये अनुभूतियाँ जन्म लेती हैं। जैसे ही यह संपर्क समाप्त होता है, वैसे ही अनुभव भी समाप्त हो जाता है। परंतु जीवन की धारा में अनुभवों की श्रृंखला निरंतर चलती रहती है—एक के बाद एक नया अनुभव सामने आता है। मानव स्वभाव ऐसा है कि वह दुःख से बचना चाहता है और केवल सुख की कामना करता है। किंतु यदि जीवन में कभी दुःख का अनुभव ही न हो, तो सुख का मूल्य भी समझ में नहीं आएगा। दुःख ही वह आधार है, जो हमें सुख की अनुभूति का महत्व सिखाता है। इसलिए भगवान कहते हैं—इन दोनों की अनित्यता को पहचानो और उनसे विचलित मत हो। संस्कृत के गूढ़ शब्द "आगम-अपायिनः" का अर्थ है—जो आने-जाने वाले हैं। सुख और दुःख भी ऐसे ही हैं; वे शरीर और मन से संबंधित हैं। शरीर और मन का जन्म हुआ है और एक दिन उनका अंत भी निश्चित है। परंतु हमारा वास्तविक स्वरूप—आत्मा—इन सबसे परे है। वह सदा स्थिर, शुद्ध और आनंदस्वरूप है। हम वही चेतना हैं, जो इन सभी अनुभवों को देखती और जानती है।

शख्सियत | जोन मिरो

कल्पनाशक्ति और साहस की अनोखी उड़ान

जोन मिरो कला की दुनिया का एक ऐसा नाम है, जिसने केवल चित्र नहीं बनाए, बल्कि कला को देखने और समझने का नजरिया ही बदल दिया। वे आधुनिक कला के उन महान कलाकारों में शामिल हैं, जिन्होंने अपनी कल्पनाशक्ति और प्रयोगशीलता के बल पर परंपरागत सीमाओं को तोड़ते हुए एक नई दिशा प्रदान की।

उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि सच्ची सफलता उसी को मिलती है, जो अपने भीतर की आवाज को सुनने का साहस रखता है। जोन मिरो का जन्म 20 अप्रैल 1893 को स्पेन के बार्सिलोना में हुआ। बचपन से ही उन्हें चित्रकला में गहरी रुचि थी, लेकिन उनके परिवार की इच्छा थी कि वे कोई सुरक्षित और स्थिर पेशा अपनाएं। परिवार के दबाव में उन्होंने कुछ समय तक व्यापार से जुड़ा काम भी किया, परंतु उनका मन उसमें कभी नहीं लगा। अंततः उन्होंने यह निर्णय लिया कि वे अपने जुनून को ही अपना जीवन बनाएंगे। यह निर्णय उनके लिए आसान नहीं था, क्योंकि उस समय कला के क्षेत्र में सफलता की कोई गारंटी नहीं थी। मिरो की कला पारंपरिक शैली से बिल्कुल अलग थी। उन्होंने रंगों, रेखाओं और प्रतीकों का ऐसा प्रयोग किया, जो उस समय के लिए बिल्कुल नया था। उनकी चित्रकला में सरल आकृतियां, चमकीले रंग और कल्पनात्मक रूप दिखाई देते हैं, जो दर्शक को एक नई दुनिया में ले जाते हैं। वे केवल दृश्य प्रस्तुत नहीं करते थे, बल्कि अपने भीतर के विचारों और भावनाओं को कैनवास पर उतारते थे। यही कारण है कि उनकी कला में एक गहराई और स्वतंत्रता का अनुभव होता है।

अपने शुरुआती दौर में मिरो को काफी संघर्ष करना पड़ा। उनकी कला को तुरंत स्वीकार नहीं किया गया और कई बार आलोचना का सामना करना पड़ा। लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। उन्होंने अपने प्रयोग जारी रखे और अपने काम पर विश्वास बनाए रखा। धीरे-धीरे लोगों ने उनकी प्रतिभा को समझना शुरू किया और उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली। यह हमें सिखाता है कि नई राह चुनने वाले व्यक्ति को शुरुआत में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, लेकिन धैर्य और आत्मविश्वास से सफलता जरूर मिलती है। मिरो का सबसे बड़ा गुण उनकी स्वतंत्र सोच थी। वे किसी एक शैली या नियम में बंधकर काम नहीं करते थे। उन्होंने हमेशा अपनी कला को खुला और स्वतंत्र रखा। यही कारण है कि उनकी रचनाएं आज भी ताजगी और नवीनता का अनुभव कराती हैं। उन्होंने यह सिद्ध किया कि सच्ची रचनात्मकता वही है, जो सीमाओं को तोड़कर नए रास्ते बनाती है। जोन मिरो का जीवन केवल एक कलाकार की कहानी नहीं है, बल्कि यह हर उस व्यक्ति के लिए प्रेरणा है, जो अपने सपनों को साकार करना चाहता है। उन्होंने यह दिखाया कि यदि हम अपने दिल की सुनें, जोखिम उठाएं और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहें, तो कोई भी बाधा हमें रोक नहीं सकती। अंततः, मिरो का जीवन हमें यह संदेश देता है कि सफलता केवल नाम और प्रसिद्धि से नहीं, बल्कि उस संतोष से मापी जाती है, जो हमें अपने कार्य से मिलता है। यदि हम अपनी रचनात्मकता को पहचानें और उसे पूरी ईमानदारी से व्यक्त करें, तो हम भी अपने जीवन को एक सुंदर कला कृति बना सकते हैं।

जीवन ऊर्जा | डॉ. राम विलास शर्माः जन्म 20 अप्रैल 1912 | जन्म

विचारों के बिना शब्द केवल शोर मात्र हैं

डॉ. राम विलास शर्मा हिंदी साहित्य के प्रखर आलोचक, भाषाविद और सशक्त कवि थे। उनका जन्म 20 अप्रैल, 1912 को उत्तर प्रदेश के उन्नाव में हुआ था। वे प्रगतिशील लेखक संघ के प्रमुख स्तंभ थे, जिन्होंने मार्क्सवादी दृष्टिकोण से साहित्य की व्याख्या की। उनकी महान कृति निराला की साहित्य साधना' के लिए उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार प्रदान किया गया। उन्होंने हिंदी भाषा और भारतीय संस्कृति के ऐतिहासिक महत्व को स्थापित करने में अमूल्य योगदान दिया। साहित्य जगत के इस तेजस्वी मनीषी का निधन 30 मई, 2000 को हुआ।

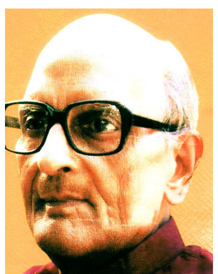

साहित्य का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि जनता को जगाना है क्योंकि वही साहित्य महान है जो मनुष्य को मनुष्यता की ओर ले जाए। लेखक का धर्म है कि वह दबे-कुचले लोगों की आवाज बने क्योंकि आलोचना का अर्थ केवल दोष निकालना नहीं, बल्कि कृति की गहराई को समझना है। साहित्य और जीवन दो अलग चीजें नहीं हैं, साहित्य जीवन का ही दर्पण है और प्रगतिशील साहित्य वही है जो भविष्य की ओर संकेत करे। कला कला के लिए नहीं, बल्कि कला जीवन के लिए होनी चाहिए क्योंकि विचारों के बिना शब्द केवल शोर मात्र हैं। जो साहित्य समाज को दिशा न दे सके वह व्यर्थ है, इसलिए सच्चा लेखक वही है जो अपनी जड़ों से जुड़ा रहे। हिंदी केवल एक भाषा नहीं, भारत की आत्मा की अभिव्यक्ति है और अपनी मातृभाषा का सम्मान करना ही अपनी संस्कृति को बचाना है। भाषा जनता की संपत्ति है, इसे कठिन शब्दों के जाल में नहीं फंसाना चाहिए क्योंकि भारतीय संस्कृति की जड़ें बहुत गहरी हैं। भाषा ही वह सूत्र है जो पूरे राष्ट्र को एक धागे में पिरोता है और लोक संस्कृति ही उच्च साहित्य की आधारशिला होती है। संस्कृति का अर्थ परंपराओं को ढोना नहीं बल्कि उन्हें आधुनिक बनाना है, क्योंकि शब्दों की शक्ति हथियारों से कहीं अधिक होती है। सच्ची राष्ट्रीयता वही है जो मानवता के साथ मेल खाती हो और साम्राज्यवाद के विरुद्ध आवाज उठाना हर नागरिक का कर्तव्य है। इतिहास राजाओं की कहानियाँ नहीं बल्कि जनता के संघर्ष का विवरण है और आजादी केवल राजनीतिक नहीं मानसिक भी होनी चाहिए। जब तक समाज में विषमता है क्रांति की मशाल जलती रहनी चाहिए क्योंकि भारत के किसान और मजदूर ही देश की वास्तविक शक्ति हैं। पूंजीवाद मनुष्य को वस्तु बना देता है जो घातक है, इसलिए सत्य को कहने के लिए साहस की आवश्यकता होती है। बिना श्रम के प्राप्त ज्ञान स्थायी नहीं होता और आत्म-मंथन ही सुधार का पहला कदम है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

कृष्ण और अर्जुन: मित्रता की एक अलौकिक गाथा

कृष्ण और अर्जुन की मित्रता भारतीय संस्कृति का वह स्वर्णिम अध्याय है जो केवल दो व्यक्तियों के मेल को नहीं, बल्कि आत्मा और परमात्मा के मिलन को दर्शाता है। यह संबंध इतना प्रगाढ़ था कि इसे 'नर-नारायण' की संज्ञा दी गई। उनकी मित्रता हमें सिखाती है कि सच्चा मित्र वही है जो न केवल सुख में साथ हंसे, बल्कि जीवन के सबसे भीषण युद्ध में आपका सारथी बनकर आपको सही मार्ग भी दिखाए।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

कृष्ण और अर्जुन की मित्रता का सबसे बड़ा आधार अटूट विश्वास था। महाभारत के युद्ध से ठीक पहले जब चुनाव की घड़ी आई, तो अर्जुन के सामने एक ओर अजेय 'नारायणी सेना' थी और दूसरी ओर निहत्थे श्रीकृष्ण। अर्जुन ने सेना के स्थान पर कृष्ण को चुना, क्योंकि उन्हें पता था कि जिसके साथ जगत का नियंता है, उसकी विजय निश्चित है। यह चुनाव सिद्ध करता है कि मित्रता में संख्या बल या शस्त्र बल से कहीं अधिक महत्व उचित मार्गदर्शन और मानसिक संबल का होता है।

एक रोचक कथा के अनुसार, एक बार अर्जुन को अपनी वीरता और कृष्ण की निकटता पर गर्व हो गया। कृष्ण ने उनका अहंकार मिटाने के लिए एक लीला रची। वे अर्जुन को साथ लेकर ब्राह्मण का भेष धरकर टहलने निकले। मार्ग में उन्हें एक ऐसा ब्राह्मण मिला जो घास खा रहा था लेकिन उसकी कमर में तलवार बंधी थी। अर्जुन ने आश्चर्य से पूछा कि हिंसा से दूर रहने वाला ब्राह्मण तलवार क्यों रखे है? ब्राह्मण ने उत्तर दिया कि वह उन लोगों को दंड देना चाहता है जिन्होंने उसके प्रभु श्रीकृष्ण को कष्ट दिया। उसने गिनाया कि नारद उन्हें सोने नहीं देते, द्रौपदी ने उन्हें भोजन के बीच से बुला लिया और अर्जुन ने तो मर्यादा ही लांघ दी—उसने जगदीश्वर को अपना सारथी बना लिया और उनके कोमल हाथों में घोड़ों की लगाम थमा दी। यह सुनकर अर्जुन का

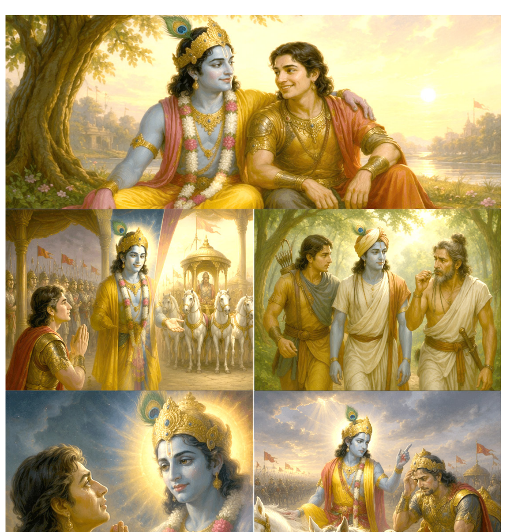

हृदय भर आया। उन्हें बोध हुआ कि जिसे वे केवल अपना मित्र समझ रहे थे, वे समस्त ब्रह्मांड के स्वामी हैं जो भक्त के प्रेम में कोई भी छोटा काम करने को तत्पर रहते हैं।

कुरुक्षेत्र की रणभूमि में जब अर्जुन अपनों को सामने देख मोह और विषाद से घिर गए, तब कृष्ण ने एक सच्चे मित्र की भांति उन्हें सांत्वना नहीं दी, बल्कि सत्य से अवगत कराया। उन्होंने 'गीता' का उपदेश देकर अर्जुन के मानसिक द्वंद्व को समाप्त किया। कृष्ण ने युद्ध के दौरान केवल रथ नहीं चलाया, बल्कि अर्जुन पर आने वाले हर संकट को अपने ऊपर लिया। यहाँ तक कि भीष्म के तीखे बाणों से अर्जुन की रक्षा के लिए वे स्वयं ढाल बने।

अपने विचार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी गौरवशाली सनातन विरासत और आधुनिक विकास के नए युग में एक साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सदियों के आक्रमणों के बावजूद सनातन आस्था अडिग रही और आज "यतो धर्मस्ततो जय:" के भाव के साथ पुन: अपने स्वाभिमान के शिखर पर स्थापित हो रही है।

– योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, यूपी

भाजपा 'नारी' को 'नारा' बनाने की कोशिश में थी। लेकिन, विपक्ष ने उनको अपने मंसूबों पर सफल नहीं होने दिया। जब भाजपा जनगणना नहीं करा सकता, तो महिलाओं को आरक्षण कैसे देंगे?

-अखिलेश यादव
सपा मुखिया

महिला आरक्षण बिल सितंबर 2023 में ही पास हो गया था, तो इसे अभी तक लागू क्यों नहीं किया गया? ममता बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा नीत सरकार ने जानबूझकर महिला आरक्षण विधेयक को परिसीमन से जोड़ दिया है।

– ममता बनर्जी
सीएम, प.बंगाल

ईरान की कार्रवाई खुद उसके खिलाफ जा रही है और इससे अमेरिकी नेतृत्व वाली नाकाबंदी और मजबूत हो रही है. उन्होंने कहा, 'वे बिना जाने हमारी मदद कर रहे हैं और होर्मुज के बंद होने से उन्हें ही रोजाना करीब 500 मिलियन डॉलर का नुकसान हो रहा है.'

-डोनाल्ड ट्रंप
राष्ट्रपति, अमेरिका

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

मनमाड रेलवे स्टेशन पर ओवरहेड उपकरण पर चढ़ा व्यक्ति, ट्रेन सेवाएं बाधित

मनमाड। नासिक जिले के मनमाड रेलवे स्टेशन पर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब मानसिक रूप से अशक्त व्यक्ति एक गैन्ट्री पर चढ़ गया और 'हाईटेंशन ओवरहेड' तार से लटक गया। इस घटना के कारण बिजली आपूर्ति रोकनी पड़ी, जिससे ट्रेन सेवाएं बाधित हो गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।शुक्रवार दोपहर को हुई इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है जिसमें एक व्यक्ति स्टेशन की छत पर चढ़ता हुआ दिख रहा है जबकि रेलवे कर्मचारी और वहां मौजूद लोग उसे बचाने के प्रयास करते नजर आ रहे हैं। बचाव प्रयास की वीडियो क्लिप में साफ नजर आ रहा है कि व्यक्ति गैन्ट्री पर चढ़ा और ऊपर लगे उपकरणों से खतरनाक तरीके से लटक गया जिसे देखकर प्लेटफार्म पर भीड़ जमा हो गई, जबकि पांच से छह लोग उसे नीचे उतारने की कोशिश में उसका पीछा करते दिखे।पुलिस और रेलवे कर्मचारी व्यक्ति को सुरक्षित नीचे लाए जाने का इंतजार कर रहे थे। मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी स्वप्निल नीला ने बताया कि यह घटना अपराह्न करीब तीन बजे हुई जब 30 साल का व्यक्ति प्लेटफॉर्म की छत पर और बाद में एक गैन्ट्री पर चढ़ गया।उन्होंने कहा,'ओवरहेड इक्विपमेंट (ओएचई) की बिजली बंद कर दी गई और व्यक्ति को बचाने के लिए तुरंत प्रयास किए गए। इस दौरान एहतियात के तौर पर कुछ ट्रेनों को अन्य प्लेटफार्म पर भेज दिया गया।'उन्होंने बताया कि व्यक्ति को सुरक्षित बचाए जाने और स्थिति पर काबू पाने से पहले लगभग 40 मिनट तक अफरा-तफरी की स्थिति रही। उन्होंने यह भी कहा कि इस घटना के कारण ट्रेनों का परिचालन कुछ समय के लिए प्रभावित हुआ था।

नागपुर में सिलेंडर ब्लास्ट का तांडव: चाय बनाते समय धमाका, पति की मौत, 10 लोग घायल

डीबीडी संवाददाता | नागपुर/कामठी

महाराष्ट्र के नागपुर जिले के कामठी इलाके में रविवार (19 अप्रैल) की सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया, जब घर में गैस सिलेंडर फटने से भीषण आग लग गई। इस घटना में घर के मुखिया अतुल उर्फ बंटी दशरथ पंतवाने (40) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि परिवार के सदस्यों समेत कुल 10 लोग घायल हो गए। हादसे के बाद पूरे इलाके में दहशत और शोक का माहौल है।पुलिस के अनुसार, सुबह करीब 8 बजे अतुल की पत्नी रसोई में चाय बना रही थीं, तभी गैस रिसाव के कारण अचानक आग भड़क उठी। आग तेजी से फैलते हुए सिलेंडर तक पहुंच गई और जोरदार धमाका हो गया। धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के घरों तक उसकी गूंज सुनाई दी।

बेडरूम में फंसे अतुल, नहीं बच पाई जान

धमाके के बाद घर में धुआं और आग फैल गई। अतुल की पत्नी और तीनों बच्चे किसी तरह बाहर निकलने में सफल रहे, लेकिन अतुल उस समय बेडरूम में थे और बाहर नहीं निकल सके। दम घुटने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई।घटना के बाद परिवार के अन्य सदस्य और पड़ोसी मदद के लिए दौड़े, लेकिन आग बुझाने के प्रयास में वे भी झुलस गए। घायलों में अतुल के भाई विनय और नितिन के साथ पड़ोसी संध्या धवले भी शामिल हैं। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दमकल ने पाया आग पर काबू

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक घर पूरी तरह जल चुका था। घर में रखा सामान-गहने, टीवी, फ्रिज, फर्नीचर और कपड़े-सब राख हो गए। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक करीब 5 लाख रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। पुलिस ने दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों ने राज्य सरकार से पीड़ित परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता देने की मांग की है, क्योंकि परिवार का मुख्य कमाने वाला सदस्य इस हादसे में खो गया है।यह घटना एक बार फिर गैस सिलेंडर के सुरक्षित उपयोग और नियमित जांच की जरूरत को उजागर करती है।

भिवंडी में हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ा,मनपा प्रशासन ने जारी की एडवाइजरी

▶▶ बिना काम दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक घर से बाहर निकलने से बचने की सलाह

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

बढ़ती गर्मी के कारण मजदूर बाहुल्य भिवंडी में हिट स्टोक का खतरा बढ़ गया है। जिससे बचाव के लिए मनपा प्रशासन एडवाइजरी जारी किया है।जिसके तहत प्रशासन ने बिना काम के दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक घर में रहने की सलाह दी गई है। भिवंडी मनपा प्रशासन की तरफ से जारी किए गए एडवाइजरी में बताया गया है कि मौसम विभाग ने अप्रैल के दौरान महाराष्ट्र में हीट वेव की चेतावनी जारी की गई है। इसमें, माहे-अप्रैल के दौरान कोंकण इलाके में मौसम गर्म और उमस भरा रहेगा। इस वजह से लोगों को कई तरह की बीमारियों व दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। भिवंडी मनपा प्रशासन ने कई निर्देशों का पालन करने की अपील की है।जिसके तहत लोगो के लिए जारी निर्देश में बताया गया है कि खूब पानी और ओआरएस पिएं।हल्के, कॉटन के कपड़े पहनें।बाहर जाते समय टोपी या छाता का इस्तेमाल करें।छांव में आराम करें।घर को हवादार रखें।बुजुर्गों और बच्चों का ध्यान रखें।

क्या न करें

ज़रूरी न होने पर दोपहर 12 से 4 बजे के बीच धूप में बाहर जाने से बचें।शराब और कैफीन वाली ड्रिंक्स से बचें।बाहर जाते समय अपने साथ नींबू पानी या सादा पानी रखें।धूप में भारी काम न करें।बच्चों व बुज़ुर्गों को धूप में खड़ी गाड़ियों में न छोड़ें।दोपहर में कोई भी इवेंट न करें।इसके अलावा मनपा प्रशासन ने मज़दूरों, इंडस्ट्रियल एरिया, फ़ैक्टरी और खदानों के लिए निर्देश जारी किया है।जिसके तहत सुबह या शाम भारी काम करने की सलाह दी गई है।आराम करने के लिए छाया और पानी का इंतज़ाम करें।मेडिकल किट और ट्रेंड स्टाफ़ रखें।इसके साथ ही सभी कमर्शियल जगहों या संस्थाओं और इंडस्ट्रियल सेक्टर से अपील है कि वे समय-समय पर मनपा द्वारा गए निर्देशों का पालन करें और ज़रूरी कदम उठाएँ। मिलकर कोशिश करने से गर्मी से होने वाले खतरे कम होंगे और जानें बचेंगी।इस संदर्भ में मनपा जनसंपर्क अधिकारी श्रीकांत परदेशी ने जनता से मनपा द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करने और प्रशासन के साथ सहयोग करने की अपील की है।ताकि जनता को हिट स्टोक से बचाया जा सके।

भिवंडी की डाइंग कंपनी में भीषण आग

▶▶ लाखों का नुकसान
▶▶ बड़ा हादसा टला

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी तालुका के शेलार क्षेत्र में स्थित देवाआकास डाइंग कंपनी में अचानक भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया और कंपनी परिसर में रखा लाखों रुपये का माल जलकर खाक हो गया। घटना की सूचना मिलते ही भिवंडी मनपा के अग्निशमन दल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत करते हुए आग पर काबू पाया और उसे आसपास के अन्य औद्योगिक इकाइयों तक फैलने से रोक लिया।

जनहानि नहीं, लेकिन भारी नुकसान

इस हादसे में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, जो राहत की बात है। हालांकि, आग से कंपनी को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। गोदाम और मशीनरी को भी नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। संबंधित विभाग द्वारा मामले की जांच की जा रही है और शॉर्ट सर्किट समेत अन्य संभावित कारणों को खंगाला जा रहा है।

सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

इस घटना ने एक बार फिर औद्योगिक क्षेत्रों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी घटनाओं से बचने के लिए नियमित फायर ऑडिट, सुरक्षा उपकरणों की जांच और आपातकालीन प्रबंधन प्रणाली को और मजबूत करने की जरूरत है। कुल मिलाकर, दमकल विभाग की मुस्तैदी से बड़ा हादसा टल गया, लेकिन इस घटना ने औद्योगिक सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं जरूर बढ़ा दी हैं।

निशिकांत दुबे के खिलाफ 'जूता मारो' आंदोलन भिवंडी में शिवसेना (ठाकरे गुट) का उग्र प्रदर्शन

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

निशिकांत दुबे द्वारा उद्धव ठाकरे और मराठी नेतृत्व को लेकर की गई टिप्पणी के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में घमासान तेज हो गया है। इसी के विरोध में शिव सेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने राज्यभर में आंदोलन का ऐलान किया है। भिवंडी में भी इस बयान के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश देखने को मिला। शिवसेना (ठाकरे गुट) के भिवंडी पूर्व-पश्चिम सह-संपर्क प्रमुख मनोज गगे और जिला प्रमुख उमेश कोंडलेकर के नेतृत्व में मध्यवर्ती शाखा के सामने जोरदार प्रदर्शन किया गया।प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने निशिकांत दुबे के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और उनके पोस्टर पर जूते मारकर विरोध दर्ज कराया। बड़ी संख्या में शिवसैनिक इस आंदोलन में शामिल हुए, जिससे इलाके में राजनीतिक माहौल गरमा गया। कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता रहे मौजूद, इस विरोध प्रदर्शन में पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रमुख रूप से दीपाली जैन (महिला अघाड़ी जिला संगठक),दिलीप नाईक (महानगर प्रमुख),महेंद्र कुंभारे (संगठक),सुभाष (नाना) झळके (समन्वयक),गजेंद्र गुळवी (पूर्व विधानसभा शहर प्रमुख),प्रदीप बोडके (पश्चिम विधानसभा शहर प्रमुख), इसके अलावा दिलीप कोंडलेकर, गोकुल कदम, भाऊ काठवले, स्वाति भावार्थ समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

'मराठी अस्मिता पर हमला बर्दाश्त नहीं'

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि मराठी नेतृत्व और क्षेत्रीय अस्मिता का अपमान किसी भी कीमत पर सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में भी इस तरह के बयानों का कड़ा और मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। निशिकांत दुबे के बयान के बाद शिवसेना (ठाकरे गुट) के इस आक्रामक रुख से आने वाले दिनों में राजनीतिक टकराव और बढ़ने के आसार हैं। राज्य के कई हिस्सों में इसी तरह के विरोध प्रदर्शन जारी रहने की संभावना जताई जा रही है।

ठाणे जिले में छह करोड़ रुपये का एमडीएमए बरामद

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

मुंबई पुलिस ने रविवार को ठाणे जिले में छह करोड़ रुपये की नशे की गोलियां जब्त की और मादक पदार्थों का वितरण करने वाले गिरोह की सदस्य एक महिला को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।अधिकारी ने बताया कि एक सूचना के आधार पर मादक पदार्थ रोधी प्रकोष्ठ (एएनसी) ने 5,000 गोलियों की एक खेप को जब्त किया और 35 वर्षीय आरोपी को टिटवाला कस्बे से पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार, ये मादक पदार्थ संभवतः दलों और मादक पदार्थ तस्करों द्वारा लक्षित आगामी कार्यक्रमों के लिए थे।उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि तस्करी का सामान एक अंतरराज्यीय गिरोह के माध्यम से प्राप्त किया गया था।

मूंगा (लाल प्रवाल): साहस, स्वास्थ्य और ऊर्जा का रत्न परिचय

मूंगा, जिसे संस्कृत में प्रवाल कहा जाता है, समुद्र की गहराइयों से प्राप्त होने वाला एक अत्यंत महत्वपूर्ण रत्न है। यह कोई खनिज नहीं बल्कि समुद्री जीवों द्वारा निर्मित जैविक रत्न है। ज्योतिष और आयुर्वेद—दोनों ही क्षेत्रों में इसका विशेष स्थान माना गया है।

रंग और स्वरूप

मूंगा मुख्यतः लाल (सिंदूरी) रंग का होता है, जो ऊर्जा और शक्ति का प्रतीक माना जाता है। इसके अलावा यह हल्के लाल से गहरे रक्तिम रंग तक विभिन्न रूपों में मिलता है। उत्तम गुणवत्ता का मूंगा चमकदार, ठोस और आकर्षक होता है।

असली और नकली की पहचान

असली मूंगा की सतह पर हल्की असमानता या प्राकृतिक दाग-धब्बे दिखाई दे सकते हैं, जो उसकी प्राकृतिकता का संकेत होते हैं। वहीं नकली मूंगा अत्यधिक चिकना, एकसमान और प्लास्टिक जैसा दिख सकता है। असली मूंगा स्पर्श में ठंडा और भारी महसूस होता है, जबकि नकली हल्का होता है।

ज्योतिषीय महत्व

▶▶ ज्योतिष शास्त्र में मूंगा का संबंध मंगल ग्रह से माना गया है, जो साहस, शक्ति और पराक्रम का प्रतीक है।

▶▶ मेष और वृश्चिक राशि के जातकों के लिए इसे विशेष लाभकारी बताया गया है।

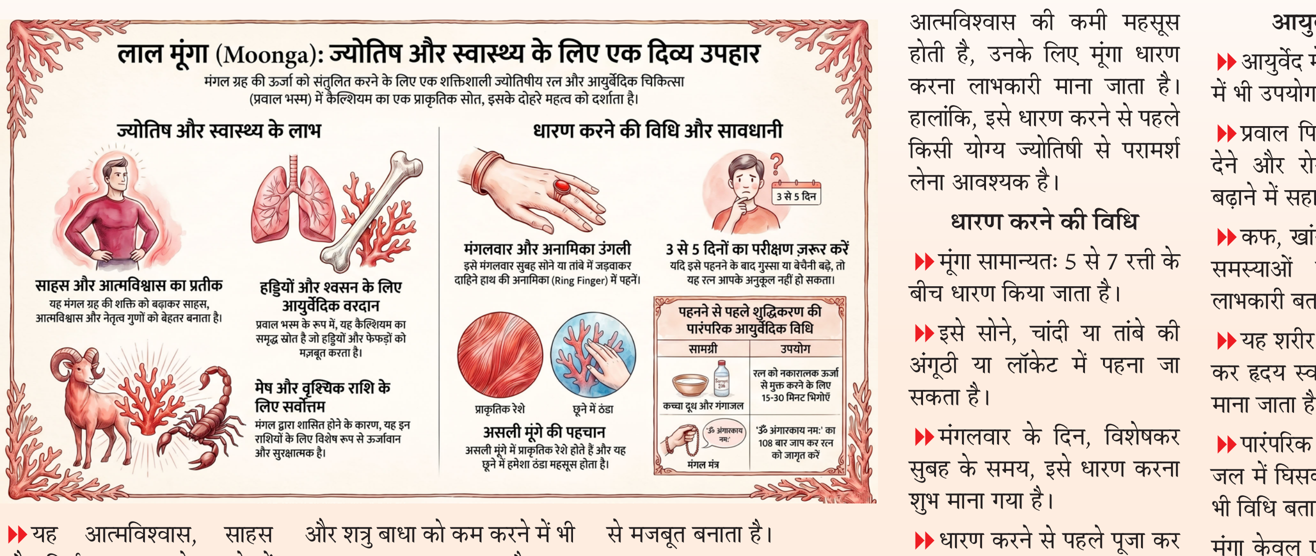

▶▶ यह आत्मविश्वास, साहस और निर्णय क्षमता को बढ़ाने में सहायक माना जाता है।

▶▶ जीवन में आ रही बाधाओं, भय और शत्रु बाधा को कम करने में भी इसका महत्व बताया गया है।

▶▶ सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर यह व्यक्ति को मानसिक रूप से मजबूत बनाता है।

किसे धारण करना चाहिए

जिन व्यक्तियों को जीवन में बार-बार संघर्ष, डर, अस्थिरता या आत्मविश्वास की कमी महसूस होती है, उनके लिए मूंगा धारण करना लाभकारी माना जाता है। हालांकि, इसे धारण करने से पहले किसी योग्य ज्योतिषी से परामर्श लेना आवश्यक है।

धारण करने की विधि

▶▶ मूंगा सामान्यतः 5 से 7 रत्ती के बीच धारण किया जाता है।

▶▶ इसे सोने, चांदी या तांबे की अंगूठी या लॉकेट में पहना जा सकता है।

▶▶ मंगलवार के दिन, विशेषकर सुबह के समय, इसे धारण करना शुभ माना गया है।

▶▶ धारण करने से पहले पूजा कर या हनुमान जी का आशीर्वाद लेकर पहनना अधिक फलदायी माना जाता है।

आयुर्वेद में महत्व

▶▶ आयुर्वेद में मूंगा औषधि के रूप में भी उपयोग किया जाता है।

▶▶ प्रवाल पिष्टी शरीर को पोषण देने और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक मानी जाती है।

▶▶ कफ, खांसी और श्वास संबंधी समस्याओं में इसका उपयोग लाभकारी बताया गया है।

▶▶ यह शरीर की गर्मी को संतुलित कर हृदय स्वास्थ्य में भी सहायक माना जाता है।

▶▶ पारंपरिक रूप से इसे गुलाब जल में घिसकर उपयोग करने की भी विधि बताई गई है।

मूंगा केवल एक रत्न नहीं, बल्कि ऊर्जा, साहस और संतुलन का प्रतीक है। ज्योतिष में यह जहां जीवन की बाधाओं को दूर करने और आत्मबल बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है, वहीं आयुर्वेद में यह स्वास्थ्य संवर्धन का माध्यम भी है। उचित परामर्श और विधि के अनुसार धारण किया गया मूंगा जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है।

वैदिक ज्योतिषी अर्चना अग्रवाल

सटीक रत्न परामर्श के लिए वैदिक ज्योतिषी अर्चना अग्रवाल (9415038076) से संपर्क किया जा सकता है।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

प्रियंका जैन
97699 94439

मेष योजना फलीभूत होगी। मनमाफिक स्थानांतरण या पदोन्नति हो सकती है। कार्यस्थल पर सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने की इच्छा रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। घर-परिवार की चिंता रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। दूर से अच्छी खबर मिल सकती है।

वृष डूबी हुई रकम प्राप्त होने के योग हैं। यात्रा लाभदायक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। कोई बुरी खबर मिल सकती है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है।

मिथुन ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च हो सकता है। भूमि व भवन आदि के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। नौकरी में चैन रहेगा। शत्रु पस्त होंगे। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। सभी कार्य पूर्ण होंगे।

कर्क फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। धन की तंगी होगी। बेकार बातों पर ध्यान न दें। विचारों की स्पष्टता न होने से उलझनें रहेंगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। नौकरी में स्थानांतरण या परिवर्तन संभव है। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

सिंह प्रियजनों के साथ बेवजह रिश्तों में खटास आ सकती है। लोगों की अपेक्षाएं बढ़ेंगी। हताशा का अनुभव होगा। मन की बात किसी को न बतलाएं। संवेदनशीलता बढ़ेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। अपरिचित व्यक्तियों पर अंधविश्वास न करें।

कन्या पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। शैक्षणिक व शोध कार्य मनोनुकूल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। उत्साह व प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में कोई नया कार्य कर पाएंगे। अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। व्यापार ठीक चलेगा।

तुला नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। मेहनत का फल प्राप्त होगा। अपेक्षित कार्य समय पर पूरे होंगे। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबारी लाभ बढ़ेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देंगे।

वृश्चिक दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। शेयर मार्केट से आशातीत लाभ होगा। नौकरी में सहकर्मियों का साथ मिलेगा। राजकीय बाधा दूर होगी। तनाव व चिंता में कमी होगी। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है।

धनु चोट व दुर्घटना से शारीरिक हानि की संभावना है। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। बिना वजह कहासुनी हो सकती है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। यात्रा यथासंभव टालें। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। धैर्य रखें।

मकर राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। कोई रुका काम बन सकता है। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। तंत्र-मंत्र में रुचि जागृत होगी। सत्संग का लाभ प्राप्त होगा। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। प्रतिद्वंद्वी शांत रहेंगे। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

कुंभ आत्मसम्मान बना रहेगा। अच्छी खबर प्राप्त होगी। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। भूले-बिसरे साथी तथा रिश्तेदारों से मुलाकात होगी।

मीन भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें। कारोबारी लाभ बढ़ेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। निवेश शुभ रहेगा। जल्दबाजी न करें।

घर में सुख-शांति और समृद्धि के सरल वास्तु उपाय

भारतीय जीवन दर्शन में घर केवल रहने की जगह नहीं होता, बल्कि वह ऊर्जा, भावनाओं और संस्कारों का केंद्र होता है। जब घर का वातावरण संतुलित, सकारात्मक और शांत होता है, तो उसका सीधा प्रभाव व्यक्ति के मन, स्वास्थ्य और जीवन की दिशा पर पड़ता है। इसी संतुलन को बनाए रखने के लिए हमारे ऋषि-मुनियों ने वास्तुशास्त्र के नियमों का निर्माण किया, जो आज भी उतने ही प्रासंगिक माने जाते हैं।

वास्तुशास्त्र के अनुसार घर में ऊर्जा का प्रवाह सही दिशा में होना बेहद आवश्यक है। यह केवल दिशा और निर्माण की बात नहीं करता, बल्कि यह हमारे दैनिक जीवन, आदतों और मानसिक स्थिति से भी जुड़ा हुआ है। जब हम इन नियमों का पालन करते हैं, तो शरीर की जैव-रासायनिक क्रियाएं भी संतुलित रहती हैं और मन में शांति बनी रहती है।

घर में सबसे महत्वपूर्ण स्थान होता है पूजा का। माना जाता है कि हर घर में एक ही मंदिर होना चाहिए, जहां सभी सदस्य मिलकर पूजा करें। अलग-अलग कमरों में अलग-अलग पूजाघर बनाना ऊर्जा के विभाजन का कारण बनता है, जिससे मानसिक अस्थिरता, पारिवारिक मतभेद और आर्थिक समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। एक स्थान पर सामूहिक पूजा से घर में एकता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

प्रियंका जैन
97699 94439

मुख्य द्वार को घर का 'मुख' माना गया है, जहां से सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रकार की ऊर्जाएं प्रवेश करती हैं। इसलिए मुख्य दरवाजे पर देहरी (दहलीज) लगाना बहुत शुभ माना जाता है। यह न केवल प्रतीकात्मक रूप से सुरक्षा प्रदान करती है, बल्कि ऊर्जा के संतुलन को भी बनाए रखती है। सुबह के समय हल्दी, कुमकुम और गोबर से स्वस्तिक या कलश के चिन्ह बनाकर पूजा करना एक प्राचीन परंपरा है, जो घर को नकारात्मक शक्तियों से बचाने का माध्यम मानी जाती है। प्रवेश द्वार पर नीम, आम या अशोक के पत्तों का तोरण बांधना भी शुभ संकेत माना जाता है। यह केवल धार्मिक आस्था नहीं, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि ये पत्ते वातावरण को शुद्ध करने और कीटाणुओं को दूर रखने में सहायक होते हैं। इससे घर में ताजगी और सकारात्मकता बनी रहती है।

वास्तु के अनुसार, मुख्य द्वार के ठीक सामने रसोईघर, भोजन कक्ष या खाने की मेज नहीं होनी चाहिए। ऐसा होने से घर में आने वाली सकारात्मक ऊर्जा बाधित होती है और आर्थिक स्थिरता पर भी प्रभाव पड़ता है। इसी तरह, पूजाघर, तिजोरी और भोजन कक्ष के दरवाजों पर भी देहरी लगाना शुभ माना गया है।

गृह निर्माण और पूजा से जुड़े कार्यों में समय का विशेष महत्व होता है। पारंपरिक मान्यता के अनुसार भूमि पूजन, वास्तु शांति और गृह प्रवेश जैसे कार्य शनिवार और मंगलवार को नहीं करने चाहिए। इन दिनों को ऊर्जा के दृष्टिकोण से संवेदनशील माना जाता है, इसलिए शुभ कार्यों के लिए अन्य दिन अधिक उपयुक्त माने जाते हैं।

शयन कक्ष में संगमरमर का प्रयोग भी एक महत्वपूर्ण विषय है। सफेद संगमरमर को मंदिर के लिए उपयुक्त माना जाता है, क्योंकि यह पवित्रता और शुद्धता का प्रतीक है। लेकिन शयन कक्ष में इसका प्रयोग करने से मानसिक शांति प्रभावित हो सकती है। इसके स्थान पर गर्म और सुकून देने वाले रंगों और सामग्री का उपयोग बेहतर माना जाता है।

महिला आरक्षण के मुद्दे को भुना रही भाजपा : अखिलेश यादव

सपा मुखिया का हमला, कहा- संसदीय नतीजा सरकार की जनभावना से दूरी का संकेत

एजेंसी । लखनऊ

अखिलेश यादव ने महिला आरक्षण विधेयक पारित न होने को केंद्र सरकार की "राजनीतिक विफलता" बताते हुए कहा कि संसद में समर्थन न मिलना इस बात का संकेत है कि सरकार जनभावनाओं का समुचित प्रतिनिधित्व नहीं कर पा रही। सपा मुख्यालय में रविवार को मीडिया से बातचीत में उन्होंने यह टिप्पणी की। सपा प्रमुख ने भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाया कि वह महिला आरक्षण के मुद्दे को राजनीतिक नारे के रूप में इस्तेमाल कर रही है, जबकि वास्तविक उद्देश्य स्पष्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्ष विधेयक के सिद्धांत का विरोध नहीं कर रहा था, बल्कि उसकी प्रक्रिया और क्रियान्वयन को लेकर सवाल उठा रहा था।

प्रतिनिधित्व के लिए सटीक जनगणना जरूरी

अखिलेश यादव ने जनगणना को आधार बनाते हुए कहा कि बिना अद्यतन आंकड़ों के आरक्षण व्यवस्था प्रभावी नहीं हो सकती। उनका तर्क था कि "सटीक जनगणना के बिना प्रतिनिधित्व की संरचना असंतुलित रह सकती है।" उन्होंने यह भी कहा कि छात्रसंघ चुनावों के अभाव में राजनीति की "प्रशिक्षण प्रणाली" कमजोर हो रही है, जिसका असर महिलाओं की भागीदारी पर भी पड़ता है।

महिलाओं की भागीदारी को चाहिए ठोस पहल

उन्होंने आरोप लगाया कि समाज में भय और अविश्वास का माहौल बनाकर राजनीतिक लाभ लेने की रणनीति अब असर खो रही है। साथ ही कहा कि महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने के लिए ठोस संस्थागत तैयारी आवश्यक है। इस दौरान सपा प्रमुख ने फतेहपुर के एक युवक से भी मुलाकात की, जिसने कथित रूप से प्रशासनिक दबाव की शिकायत की थी। यादव ने मामले में सहायता का आश्वासन दिया।

भारत पहुंचते ही ATS ने धर दबोचा

दिल्ली एयरपोर्ट से संदिग्ध आतंकी मैजुल गिरफ्तार

पुलिस ने जारी किया था लुकआउट सर्कुलर

एजेंसी । बिजनौर

उत्तर प्रदेश एटीएस की जांच से जुड़े संदिग्ध आतंकी मॉड्यूल मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बिजनौर निवासी मैजुल को दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया। वह दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटते ही पकड़ा गया। उसके खिलाफ पहले से लुकआउट सर्कुलर जारी था। पुलिस के अनुसार, मैजुल पिछले करीब पांच वर्षों से दक्षिण अफ्रीका में रह रहा था। शनिवार को उसके भारत पहुंचते ही सुरक्षा एजेंसियों ने उसे हिरासत में ले लिया। प्रारंभिक पूछताछ में उसके विदेश में सक्रिय कुछ संदिग्ध संपर्कों से जुड़े होने के संकेत मिले हैं।

दो अप्रैल को खुला था आतंकी माड्यूल

यह मामला 2 अप्रैल को लखनऊ में एटीएस द्वारा उजागर किए गए आतंकी मॉड्यूल से जुड़ा है। जांच में सामने आया था कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो में हथियारों का प्रदर्शन किया गया था, जिसमें कई संदिग्ध शामिल थे। इस मामले में मेरठ, गौतमबुद्धनगर और अन्य स्थानों से कई आरोपितों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

विदेश में पड़े हैं दो और संदिग्ध

एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश ने बताया कि मैजुल की गिरफ्तारी के बाद उससे गहन पूछताछ की जा रही है। उसने पूछताछ में विदेश में मौजूद एक अन्य संदिग्ध के संपर्क में होने की बात स्वीकार की है। फिलहाल उससे जुड़े अन्य आरोपितों की तलाश जारी है, जिनमें दो संदिग्ध विदेश में बताए जा रहे हैं। जांच एजेंसियों के मुताबिक, मॉड्यूल के कुछ सदस्य सोशल मीडिया के जरिए कथित रूप से भड़काऊ सामग्री प्रसारित कर युवाओं को प्रभावित करने का प्रयास कर रहे थे। मामले में पहले दर्ज एक पुराने केस को भी पुन: खोला गया है, जिसमें अब नए सिरे से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

गला रेतकर जुड़वा बेटियों की हत्या

एजेंसी । कानपुर

कानपुर के नौबस्ता थाना क्षेत्र स्थित त्रिमूर्ति अपार्टमेंट में रविवार को दोहरी हत्या की सनसनीखेज वारदात सामने आई। एक व्यक्ति ने अपनी 11 वर्षीय जुड़वा बेटियों की गला रेतकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपित को मौके से हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश पुलिस के अनुसार, आरोपित शशि रंजन मिश्रा पेशे से मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव है। परिवार में पत्नी और तीन बच्चे थे। मृतक बच्चियां रिद्धि और सिद्धि पास के एक स्कूल में कक्षा पांच की छात्राएं थीं। घटना की सूचना पत्नी द्वारा पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची टीम ने कमरे में खून से लथपथ दोनों बच्चियों के शव बरामद किए, जबकि आरोपित पिता वहीं मौजूद मिला। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त धारदार हथियार भी कब्जे में लिया है। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। प्रारंभिक जांच में पारिवारिक विवाद की बात सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपित घरेलू कलह और शक के चलते पत्नी से अक्सर विवाद करता था। घटना के समय पत्नी अपने बेटे के साथ अलग कमरे में थी।

छत्तीसगढ़ में प्रचंड गर्मी : अप्रैल में पारा 45 पार

कई जनपदों में लू का अलर्ट जारी, सचेत रहने की अपील

एजेंसी । रायपुर

छत्तीसगढ़ में गर्मी ने तीखा रूप ले लिया है। राजनांदगांव 45 डिग्री सेल्सियस के साथ राज्य का सबसे गर्म स्थान दर्ज हुआ। रायपुर, दुर्ग और आसपास के जिलों में भी अधिकतम तापमान 42 से 44 डिग्री के बीच बना हुआ है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अगले 3-4 दिनों के लिए हीट

वेव का अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार, शुष्क हवाओं और क्षेत्रीय मौसम प्रणालियों के संयुक्त प्रभाव से तापमान में और वृद्धि की आशंका है।

रात में भी गर्म हवाओं का असर

पिछले 24 घंटों में सर्वाधिक तापमान राजनांदगांव में रिकॉर्ड किया गया, जबकि रायपुर में पारा 44 डिग्री तक पहुंचने का अनुमान है। दिन के साथ-साथ रात में भी गर्म हवाएं चलने की संभावना जताई गई है, जिससे न्यूनतम तापमान में गिरावट नहीं हो रही और गर्मी का असर लगातार बना हुआ है। उत्तर भारत से महाराष्ट्र-तेलंगाना क्षेत्र में बने प्रतिचक्रवात के कारण गर्म और शुष्क हवाओं का प्रवाह तेज हुआ है।

हिमाचल में नौकरशाहों को नहीं मिलेगा पूरा वेतन

शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने वित्तीय दबाव के बीच प्रशासनिक खर्च नियंत्रित करने के लिए वरिष्ठ नौकरशाही के वेतन के एक हिस्से को अस्थायी रूप से स्थगित करने का निर्णय लागू कर दिया है। अधिसूचना के मुताबिक यह व्यवस्था अप्रैल 2026 के वेतन (मई में देय) से प्रभावी होगी और छह महीने तक लागू रहेगी। जारी आदेश के अनुसार मुख्य सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, डीजीपी और समकक्ष स्तर के अधिकारियों के वेतन का 30 प्रतिशत हिस्सा रोका जाएगा। वहीं सचिव, विभागाध्यक्ष, आईजी-डीआईजी, एसएसपी-एसपी और वन विभाग के समकक्ष अधिकारियों तक के लिए 20 प्रतिशत वेतन स्थगित रहेगा।

मदरसों में पढ़ाना होगा शिक्षा बोर्ड का पाठ्यक्रम

उत्तराखंड में मदरसों पर सख्ती, अनुपालन न होने पर बंदी की चेतावनी

एजेंसी । हरिद्वार

पुष्कर सिंह धामी ने राज्य में मदरसा शिक्षा के ढांचे में व्यापक बदलाव का ऐलान करते हुए कहा है कि सभी मदरसों को अब उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद का पाठ्यक्रम लागू करना अनिवार्य होगा। निर्धारित मानकों का पालन न करने वाले संस्थानों के खिलाफ बंदी की कार्रवाई की जाएगी। हरिद्वार में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्तमान मदरसा बोर्ड को समाप्त कर उसकी जगह नया उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण गठित किया गया है। सभी मदरसों के लिए इस प्राधिकरण से मान्यता लेना और राज्य शिक्षा बोर्ड से संबद्धता अनिवार्य होगी। यह व्यवस्था 1 जुलाई 2026 से लागू करने की योजना है। धामी के अनुसार, इस कदम का उद्देश्य शिक्षा में एकरूपता लाना और छात्रों को आधुनिक व

मुख्यधारा के विषयों से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि सरकार सभी बच्चों को समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने पर जोर दे रही है।

चारधाम यात्रा की तैयारी जोरों पर

मुख्यमंत्री ने आगामी चारधाम यात्रा की तैयारियों की समीक्षा का भी उल्लेख करते हुए बताया कि सुरक्षा, यात्री सुविधा और भीड़ प्रबंधन को ध्यान में रखकर व्यवस्थाएं सुदृढ़ की गई हैं। इस दौरान उन्होंने महिला आरक्षण के मुद्दे पर विपक्ष की आलोचना करते हुए कहा कि केंद्र सरकार के प्रस्तावित विधेयक का समर्थन न करना महिलाओं के हितों के विपरीत है।

महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी नहीं चाहता विपक्ष : सम्राट

सीएम सम्राट चौधरी का विपक्ष पर आरोप, कहा- दो-तिहाई बहुमत न मिलना दुर्भाग्यपूर्ण

एजेंसी । पटना

सम्राट चौधरी ने महिला आरक्षण विधेयक के मुद्दे पर विपक्षी दलों की भूमिका पर सवाल उठाते हुए इसे "नारी सशक्तिकरण के अवसर का नुकसान" बताया। रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि विधेयक को पारित कराने के लिए आवश्यक समर्थन नहीं मिलना चिंताजनक है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर अप्रत्यक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि कुछ दल इस मुद्दे पर स्पष्ट रुख नहीं दिखा सके। उन्होंने

राहुल गांधी का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि विपक्ष महिलाओं की व्यापक राजनीतिक भागीदारी को लेकर गंभीर नहीं दिखता।

बिहार में 29 महिला विधायक

चौधरी ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि बिहार विधानसभा में फिलहाल 29 महिला विधायक हैं, जबकि पूर्ण आरक्षण लागू होने पर यह संख्या 100 से अधिक हो सकती थी। उनके मुताबिक, यह केवल प्रतिनिधित्व का नहीं, बल्कि नीति-निर्माण में महिलाओं की भागीदारी का प्रश्न है। उन्होंने पंचायत स्तर पर 50% आरक्षण के उदाहरण का जिक्र करते हुए कहा कि स्थानीय निकायों में महिलाओं की वास्तविक भागीदारी इससे भी अधिक, करीब 59% तक पहुंच चुकी है। इसे उन्होंने "सामाजिक बदलाव का संकेत" बताया। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन इस विषय पर एकजुट है और भविष्य में महिला आरक्षण को लागू कराने के लिए राजनीतिक प्रयास जारी रखेगा। उन्होंने विपक्ष पर पूर्व में इस दिशा में ठोस पहल न करने का आरोप भी दोहराया।

भारत में LPG खपत मार्च में 13% घटी

पश्चिम एशिया तनाव का असर, सप्लाई पर दबाव

बीते साल मार्च में 2.729 मिलियन टन थी खपत

एजेंसी । नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव का सीधा प्रभाव भारत की ऊर्जा आपूर्ति पर दिखा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, मार्च में एलपीजी खपत 13% घटकर 2.379 मिलियन टन रह गई, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 2.729 मिलियन टन थी। आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, विशेषकर हॉर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले मार्ग पर दबाव, गिरावट का प्रमुख कारण माना जा रहा है। भारत अपनी कुल एलपीजी जरूरत का लगभग 60% आयात करता है, जिसमें सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात से आने वाली खेप का बड़ा हिस्सा शामिल है। क्षेत्रीय अस्थिरता के चलते इन स्रोतों से आपूर्ति प्रभावित हुई, जिसके परिणामस्वरूप गैर-घरेलू और बल्क उपभोक्ताओं को गैस आपूर्ति में कटौती करनी पड़ी।

घरेलू एलपीजी इस्तेमाल में गिरावट

आंकड़ों के अनुसार, घरेलू एलपीजी खपत भी 8.1% घटकर 2.219 मिलियन टन पर आ गई। वहीं वाणिज्यिक उपयोग में करीब 48% और बल्कि एलपीजी बिक्री में 75% से अधिक की गिरावट दर्ज की गई, जो औद्योगिक और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर पर दबाव को दर्शाती है।

घरेलू उत्पादन बढ़कर 1.4 मिलियन टन हुआ

सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं की आपूर्ति को प्राथमिकता देने की नीति अपनाई है। इसके तहत रिफाइनरियों को पेट्रोकेमिकल उत्पादन कम कर एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए गए, जिससे घरेलू उत्पादन बढ़कर 1.4 मिलियन टन हो गया, जो पिछले वर्ष 1.1 मिलियन टन था।

वार्षिक आधार पर मांग का रुझान मजबूत

हालांकि, वार्षिक आधार पर मांग का रुझान मजबूत बना हुआ है। पूरे वित्तीय वर्ष में एलपीजी खपत 6% बढ़कर 33.212 मिलियन टन तक पहुंची। इसी अवधि में पेट्रोल और डीजल की बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई, जबकि विमान ईंधन (एटीएफ) की खपत स्थिर रही।

आपूर्ति, कीमत और वितरण पर दबाव

विश्लेषकों के अनुसार, यदि पश्चिम एशिया में स्थिति लंबी खिंचती है तो आपूर्ति, कीमत और वितरण संतुलन पर दबाव बना रह सकता है। फिलहाल सरकार घरेलू उपभोक्ताओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ वैकल्पिक प्रबंधन उपायों पर जोर दे रही है।

मजबूत बुनियाद पर खड़ा बैंकिंग सेक्टर

कर्ज मांग और बेहतर एसेट क्वालिटी से ग्रोथ को रफ्तार

एजेंसी । नई दिल्ली

देश का बैंकिंग क्षेत्र फिलहाल स्थिरता और मजबूती के चरण में प्रवेश करता दिख रहा है। एसेट क्वालिटी में सुधार, पूंजी आधार की सुदृढ़ता और रिटेल व एमएसएमई से बढ़ती कर्ज मांग के चलते आने वाले समय में भी इसकी विकास दर सकारात्मक रहने के संकेत हैं। उद्योग संगठन फिक्की और इंडियन बैंक एसोसिएशन (आईबीए) के संयुक्त सर्वे के अनुसार, भारतीय बैंकिंग सेक्टर की समग्र स्थिति में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। सर्वे में शामिल बैंकों ने अपनी बैलेंस शीट को पहले की तुलना में अधिक मजबूत बताया है, जिससे जोखिम वहन क्षमता बढ़ी है और कर्ज वितरण में आत्मविश्वास लौटा है। यह सर्वे जनवरी से फरवरी 2026 के बीच किया गया।

एनपीए में गिरावट से सुधरी हालत

रिपोर्ट के मुताबिक, खराब ऋण (एनपीए) में गिरावट और पूंजी पर्याप्तता अनुपात में सुधार ने बैंकों की वित्तीय सेहत को मजबूती दी है। इसके साथ ही रिटेल लोन—विशेषकर होम, ऑटो और पर्सनल लोन—के साथ-साथ सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र में कर्ज की मांग निरंतर बढ़ रही है, जो क्रेडिट ग्रोथ का प्रमुख आधार बन रही है। मौद्रिक नीति के मोर्चे पर सर्वे में संकेत दिया गया है कि वर्तमान ब्याज दर संरचना संतुलित स्थिति में है और निकट भविष्य में इसमें बड़े बदलाव की संभावना सीमित है।

कार्पोरेट कर्ज का बढ़ता रुझान

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (पीएसबी) भविष्य को लेकर अधिक आश्वस्त नजर आ रहे हैं। एसेट क्वालिटी में सुधार और कॉरपोरेट कर्ज के प्रति बढ़ती रुचि ने इनके दृष्टिकोण को सकारात्मक बनाया है। वहीं निजी क्षेत्र के बैंक अपेक्षाकृत सतर्क रुख अपनाए हुए हैं, जबकि विदेशी बैंक कॉरपोरेट निवेश को लेकर संतुलित रणनीति पर काम कर रहे हैं।

भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता फिर पटरी पर

बीटीए के पहले चरण पर 20-22 अप्रैल को वाशिंगटन में बैठक

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (BTA) के पहले चरण को आगे बढ़ाने के लिए भारतीय अधिकारियों का उच्चस्तरीय दल 20 अप्रैल को वाशिंगटन पहुंचेगा। तीन दिन (20-22 अप्रैल) चलने वाली इस वार्ता में शुल्क ढांचे में हालिया बदलावों के मद्देनजर समझौते के मसौदे की पुनर्समीक्षा प्रमुख एजेंडा रहेगा। सरकारी सूत्रों के अनुसार, वार्ता में भारतीय पक्ष का नेतृत्व वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त

सचिव दर्पण जैन करेंगे। बैठक में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय द्वारा शुरू की गई जांचों पर भी चर्चा संभावित है, जिन्हें भारत ने व्यापार कानून की धारा 301 के तहत लगाए गए आरोपों के रूप में खारिज करते हुए समाप्त करने की मांग की है।

बाई हीराबाई ट्रस्ट में बदलेंगे ट्रस्टी के नियम

एजेंसी । नई दिल्ली

टाटा ट्रस्ट्स ने बाई हीराबाई ट्रस्ट में ट्रस्टी नियुक्ति से जुड़े पुराने और प्रतिबंधात्मक प्रावधानों में बदलाव की प्रक्रिया शुरू करने का फैसला किया है। ट्रस्ट के न्यासियों ने पात्रता मानदंडों में मौजूद सीमाओं—जैसे गैर-यहूदियों के ट्रस्टी बनने पर रोक—को संशोधित करने के लिए सक्षम प्राधिकरण के समक्ष कार्यवाही आरंभ करने का निर्णय लिया है। यह कदम उस विवाद के बाद उठाया गया है,

जिसमें पूर्व ट्रस्टी मेहली मिस्त्री ने महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर के समक्ष शिकायत दर्ज कर वेणु श्रीनिवासन और विजय सिंह की बाई हीराबाई जमशेदजी टाटा नवसारी चैरिटेबल इंस्टिट्यूशन के बोर्ड में नियुक्ति को चुनौती दी थी।

अक्षय तृतीया पर महंगा हुआ सोना

- चांदी की कीमतों में भी जोरदार उछाल
- हफ्ते भर में तेज हुई कीमतों की रफ्तार

एजेंसी । नई दिल्ली

शुभ अवसर अक्षय तृतीया के दिन सर्राफा बाजार में कीमती धातुओं ने जोरदार तेजी दर्ज की। मांग में बढ़ोतरी और वैश्विक संकेतों के असर से सोना और चांदी दोनों के दामों में उल्लेखनीय उछाल देखा गया। रविवार को सोना 1,460 से 1,590 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ, जबकि चांदी में एक ही

दिन में 10,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की छलांग दर्ज की गई। देशभर के प्रमुख बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,55,780 से 1,56,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार करता रहा। वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,800 से 1,43,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच रही। चांदी की कीमतों में आई तेजी के चलते राजधानी दिल्ली के बाजार में इसका भाव 2,75,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया।

साप्ताहिक आधार पर भी मजबूत रुख

पिछले एक सप्ताह के रुझान पर नजर डालें तो कीमती धातुओं में लगातार मजबूती बनी रही। इस अवधि में 24 कैरेट सोने की कीमत 2,940 रुपये प्रति 10 ग्राम तक बढ़ी, जबकि 22 कैरेट सोना करीब 2,700 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हुआ। चांदी ने भी इसी अवधि में 15,000 रुपये प्रति किलोग्राम की तेज बढ़त दर्ज की, । राजधानी नई दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,55,930 और 22 कैरेट सोना 1,42,950 रु प्रति 10 ग्राम पर रहा। मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,55,780 रु. और 22 कैरेट 1,42,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता दिखा।

दबाव में MI, मौके का फायदा उठाने उतरेगी गुजरात टाइटंस

- अहमदाबाद में आज खेला जाएगा अहम मुकाबला

एजेंसी। अहमदाबाद

गुजरात टाइटंस सोमवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले में जीत की हैट्रिक को आगे बढ़ाने के इरादे से उतरेगी, जबकि पांच बार की चैंपियन मुंबई लगातार चार हार के बाद दबाव में है और वापसी की तलाश में होगी। दोनों टीमों का हालिया प्रदर्शन एक-दूसरे के विपरीत रहा है। गुजरात ने शुरुआती दो मैच हारने के बाद लगातार तीन जीत दर्ज कर तालिका में छठे स्थान पर पहुंच बनाई है। इसके उलट मुंबई ने जीत के साथ अभियान शुरू किया, लेकिन उसके बाद लगातार चार मैच गंवाकर नौवें स्थान पर खिसक गई है। बड़े अंतर से मिली हारों ने टीम के नेट रन रेट और आत्मविश्वास दोनों को प्रभावित किया है।

पावर प्ले और मध्यक्रम की चिंता

मुंबई की सबसे बड़ी समस्या पावरप्ले और मध्यक्रम का अस्थिर प्रदर्शन रहा है। सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा से अपेक्षित निरंतरता नहीं मिल सकी है-सूर्यकुमार के नाम एक अर्धशतक है, लेकिन नियमितता का अभाव दिखा, जबकि तिलक पांच पारियों में 43 रन ही बना पाए हैं। कप्तान हार्दिक पंड्या ने भी चार मैचों में 81 रन बनाए हैं, जिससे बल्लेबाजी पर दबाव बढ़ा है। शीर्ष क्रम में रोहित शर्मा की चोट ने स्थिति को और जटिल कर दी है।

विकेट को तरस रहे किफायती बुमराह

गेंदबाजी में भी मुंबई अपेक्षा पर खरी नहीं उतरी। जसप्रीत बुमराह किफायती रहे हैं, लेकिन अब तक विकेट नहीं निकाल पाए हैं। शार्दुल ठाकुर और दीपक चाहर निर्णायक मौकों पर सफलता नहीं दिला सके, जबकि स्पिन आक्रमण में भी निरंतरता की कमी रही है दूसरी ओर, गुजरात टाइटंस ने सीमित संसाधनों के बावजूद जीत के तरीके खोजे हैं। टीम की बल्लेबाजी मुख्यतः कप्तान शुभमन गिल, साई सुदर्शन और जोस बटलर पर निर्भर रही है। मध्यक्रम में ग्लेन फिलिप्स, वॉशिंगटन सुंदर और राहुल तेवतिया से अपेक्षित योगदान अभी तक नहीं मिला है।

मुंबई के लिए 'करो या मरो' की स्थिति

गेंदबाजी में मोहम्मद सिराज और कगिसो रबाडा ने कुछ मौकों पर असर डाला है, जबकि राशिद खान और प्रसिद्ध कृष्णा का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा है। मौजूदा फॉर्म को देखते हुए गुजरात का पलड़ा भारी नजर आता है, लेकिन मुंबई के लिए यह मुकाबला 'करो या मरो' की स्थिति जैसा है। परिणाम दोनों टीमों के अभियान की दिशा तय करने में अहम साबित हो सकता है।

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, ग्लेन फिलिप्स, राशिद खान, मानव सुथार, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, वॉशिंगटन सुंदर, गुरनूर बराड़, अरशद खान, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कगिसो रबाडा, आर साई किशोर, इशांत शर्मा, अशोक शर्मा, जेसन होल्डर, टॉम बैंटन, ल्यूक वुड, साई सुदर्शन, एम शाहरुख खान, जयंत यादव, कुलवंत खेजरोलिया।

केन्या के केफर लुबांसी ने जीती चंद्रशेखर हॉफ मैराथन

- 59 मिनट और पांच सेकंड में पूरी की 21 किलोमीटर की दौड़
- सचिन यादव दूसरे तो केन्या के ही वाइजली तीसरे स्थान पर

एजेंसी। बलिया

चंद्रशेखर हाफ मैराथन के सातवें संस्करण में केन्या के धावक केफर लुंबासी ने 21 किमी दौड़ 59 मिनट 5 सेकंड में पूरी कर खिताब अपने नाम किया। उन्हें 1.25 लाख रुपये का प्रथम पुरस्कार दिया गया प्रतियोगिता में सचिन यादव ने 59 मिनट 37 सेकंड के समय के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि केन्या के केबिछी वाइजली एक घंटा 53 सेकंड में दौड़ पूरी कर तीसरे स्थान पर रहे। शीर्ष दो धावकों के बीच मात्र 32 सेकंड का अंतर रहा। करीब 730 पंजीकृत प्रतिभागियों के बीच सुबह छह बजे दौड़ की शुरुआत पटपर-पचखोरा से हुई, जिसे सांसद नीरज शेखर ने हरी झंडी दिखाई। शुरुआती चरण से ही केन्याई धावकों ने बढ़त बनाए रखी और फिनिश लाइन तक बढ़त कायम रखी।

बनारस के अनिल चौथे स्थान पर

अन्य प्रमुख परिणामों में वाराणसी के अनिल पटेल (चौथा), जुगनू कुमार (पांचवां), अभिषेक प्रजापति (छठा), केन्या के चेपके वांग (सातवां), बलिया के सोनू राजभर (आठवां), नीतीश कुमार (नौवां) और मध्य प्रदेश के पंकज पटेल (दसवां) शामिल रहे। पंकज पटेल ने 1:07:15 का समय दर्ज किया।

विजेता को 1.25 लाख का इनाम

इस मैराथन में कुल 150 धावक फिनिश लाइन तक पहुंच सके। पुरस्कार वितरण समारोह वीर लोरिक स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित हुआ, जहां विजेताओं को क्रमशः 1.25 लाख, 65 हजार और 35 हजार रुपये की नकद राशि प्रदान की गई। कार्यक्रम में स्थानीय विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति भी दी।

न्यूज़ ब्रीफ

CSK की हार के बाद गायकवाड़ पर उठे सवाल

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स की लगातार लड़खड़ाती लय के बीच सनराइजर्स हैदराबाद से 10 रन की हार के बाद कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की बल्लेबाजी और मैच प्रबंधन पर सवाल उठने लगे हैं। पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने सार्वजनिक तौर पर उनकी पारी की आलोचना की है। अश्विन का कहना है कि इस मुकाबले में गायकवाड़ के पास फॉर्म में लौटने का अनुकूल अवसर था, जिसे वे भुना नहीं सके। उनके मुताबिक, युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ने तेज शुरुआत कर टीम के लिए मंच तैयार किया था, ऐसे में कप्तान को जोखिम लेने के बजाय क्रीज पर समय बिताकर पारी को आगे बढ़ाना चाहिए था। अश्विन ने विश्लेषण में कहा कि पावरप्ले के दौरान रन गति पहले से बेहतर थी, इसलिए परिस्थितियों के लिए संयमित बल्लेबाजी कर लय हासिल करना संभव था। हालांकि, म्हात्रे के आउट होने के बाद दबाव स्पष्ट रूप से बढ़ा और गायकवाड़ इस स्थिति को संभाल नहीं सके। आंकड़ों के अनुसार, आईपीएल-2026 के शुरुआती छह मैचों में गायकवाड़ ने 82 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 13.67 और स्ट्राइक रेट 112.33 रहा है। यह प्रदर्शन उनके सामान्य स्तर से काफी नीचे माना जा रहा है।

मुजरबानी विवाद: 'अनुबंध हुआ ही नहीं तो उल्लंघन कैसा'

- पीएसएल के दो साल के बैन पर एजेंसी ने किया पलटवार

एजेंसी। नई दिल्ली

जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी पर पाकिस्तान सुपर लीग द्वारा लगाए गए दो वर्ष के प्रतिबंध को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। खिलाड़ी की एजेंसी वर्ल्ड स्पोर्ट्स एक्सचेंज ने बैन को चुनौती देते हुए कहा है कि जिस अनुबंध के उल्लंघन का आरोप लगाया जा रहा है, वह कभी औपचारिक रूप से अस्तित्व में आया ही नहीं। एजेंसी के मुताबिक, मुजरबानी को इस्लामाबाद यूनाइटेड ने रिप्लेसमेंट खिलाड़ी के रूप में शामिल करने का प्रस्ताव दिया था, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 11 मिलियन पाकिस्तानी रुपये थी। हालांकि, इस प्रस्ताव के बावजूद खिलाड़ी को कोई लिखित अनुबंध या आधिकारिक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराया गया। इसी बीच मुजरबानी ने इंडियन प्रीमियर लीग में खेलने का निर्णय लिया और कोलकाता नाइट राइडर्स से जुड़ गए, जहां उन्हें मुस्तफिजुर रहमान के स्थान पर टीम में शामिल किया गया। इस फैसले के बाद पीएसएल प्रबंधन ने अनुबंध उल्लंघन का हवाला देते हुए उन पर दो साल का प्रतिबंध लगा दिया।

पूरी नहीं की गई औपचारिक प्रक्रिया

एजेंसी का कहना है कि किसी भी खिलाड़ी को विदेशी लीग में खेलने के लिए संबंधित क्रिकेट बोर्ड से 'नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' (NOC) तभी मिल सकता है, जब वैध और हस्ताक्षरित अनुबंध मौजूद हो। एजेंसी के अनुसार, पीएसएल और फ्रेंचाइजी ने बिना औपचारिक प्रक्रिया पूरी किए ही सोशल मीडिया पर साइनिंग की घोषणा कर दी, जबकि दो सप्ताह बाद तक भी खिलाड़ी को कोई आधिकारिक कॉन्ट्रैक्ट नहीं भेजा गया। वर्ल्ड स्पोर्ट्स एक्सचेंज ने यह भी कहा कि शुरुआती चरण में उन्होंने विवाद को सार्वजनिक नहीं किया, लेकिन सोशल मीडिया पर खिलाड़ी के खिलाफ बढ़ती आलोचना और आरोपों के चलते उन्हें अपनी स्थिति स्पष्ट करनी पड़ी।

एचसीएल पीएसए चैलेंजर टूर: फाइनल में सूरज कुमार

एजेंसी। चेन्नई

सूरज कुमार चंद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एचसीएल पीएसए चैलेंजर टूर के पुरुष वर्ग के फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने सेमीफाइनल में हांगकांग के वाइलोक टो को सीधे गेमों में 11-8, 11-7, 11-6 से हराया। इंडियन स्क्वाश अकादमी में खेले गए इस मुकाबले में दूसरी वरीयता प्राप्त चंद ने शुरुआत से ही नियंत्रण बनाए रखा। उन्होंने आक्रामक खेल और सटीक शॉट चयन के दम पर प्रतिद्वंद्वी को कोई वापसी का मौका नहीं दिया और मुकाबला सीधे तीन गेमों में समाप्त कर दिया। विश्व रैंकिंग में 134वें स्थान पर काबिज चंद के लिए यह पीएसए टूर पर पांचवां फाइनल होगा, जो उनके लगातार बेहतर प्रदर्शन का संकेत है।

बीसीसीआई मेहरबान, अजीत अगरकर को इनाम

- सीनियर चयन समिति के अध्यक्ष का पद बरकरार
- बोर्ड ने विश्व कप के मद्देनजर कार्यकाल बढ़ाया

एजेंसी। नई दिल्ली

अजीत अगरकर सीनियर चयन समिति के अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 2027 एकदिवसीय विश्व कप की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए उन्हें एक और वर्ष का नया अनुबंध देने का निर्णय लिया है। बोर्ड सूत्रों के अनुसार, यह सेवा विस्तार नहीं बल्कि नियमों के तहत नया अनुबंध है। चयनकर्ताओं को सीनियर या जूनियर समिति में अधिकतम चार वर्ष तक कार्य करने की अनुमति है, जबकि दोनों समितियों में कुल कार्यकाल पांच वर्ष तक सीमित होता है। इसी प्रावधान के तहत अगरकर को आगामी कार्यकाल के लिए पुनर्नियुक्त किया गया है। अगरकर के नेतृत्व में अक्टूबर 2023 से मार्च 2026 के बीच भारतीय टीम ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की। इस अवधि में टीम चार आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची और तीन बार खिताब जीतने में सफल रही, जिसमें दो टी20 विश्व कप और एक आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी शामिल हैं। इस प्रदर्शन ने चयन समिति की कार्यशैली और निर्णय क्षमता को मजबूत आधार दिया।

टीम संयोजन और रणनीति पर फोकस

बोर्ड का मानना है कि 50 ओवर के विश्व कप से पहले टीम संयोजन और रणनीति में निरंतरता बनाए रखना आवश्यक है। इसी कारण चयन समिति में स्थिरता बनाए रखने का फैसला लिया गया है। अगरकर के कार्यकाल में चयन समिति ने कई अहम और कठिन निर्णय भी लिए। इनमें वरिष्ठ खिलाड़ियों विराट कोहली और रोहित शर्मा के टेस्ट करियर से जुड़ी प्रक्रियाओं का प्रबंधन, तथा तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को चरणबद्ध तरीके से टीम से बाहर करने जैसे फैसले शामिल रहे।

टीम में स्थिरता तलाश रहा बोर्ड

इसके अलावा टीम चयन में रणनीतिक बदलाव करते हुए टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल को टी20 विश्व कप टीम से बाहर रखा गया, जबकि बेहतर फॉर्म में चल रहे ईशान किशन को मौका दिया गया। ऐसे फैसलों ने चयन प्रक्रिया में प्रदर्शन आधारित दृष्टिकोण को रेखांकित किया। बीसीसीआई का यह कदम आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों से पहले टीम में स्थिरता और दीर्घकालिक योजना को प्राथमिकता देने की रणनीति का संकेत माना जा रहा है।

बॉ ली वु ड

'भूत बंगला' ने पकड़ी रफ्तार: दूसरे दिन उछली कमाई

हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूत बंगला के साथ अभिनेता अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की चर्चित जोड़ी करीब 14 साल बाद बड़े पर्दे पर लौटी है। रिलीज के बाद फिल्म को दर्शकों से मिश्रित प्रतिक्रिया मिली, लेकिन शुरुआती दिनों में बॉक्स ऑफिस पर इसके प्रदर्शन में क्रमिक सुधार दर्ज किया गया है। फिल्म ने पहले दिन 12.25 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया था, जिसे औसत ओपनिंग माना गया। हालांकि दूसरे दिन कमाई में उल्लेखनीय उछाल दर्ज हुआ और फिल्म ने लगभग 19 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इस वृद्धि से संकेत मिलता है कि वर्ड-ऑफ-माउथ और वीकेंड फैक्टर ने फिल्म को बढ़त दिलाई है। रिलीज से पहले गुरुवार को आयोजित पेड प्रीव्यू से फिल्म ने 3.75 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन हासिल किया था। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, फिल्म का कुल इंडिया ग्रॉस कलेक्शन लगभग 42 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जबकि इंडिया नेट कलेक्शन करीब 35 करोड़ रुपये दर्ज किया गया है। ट्रेड विश्लेषकों के मुताबिक, यह प्रदर्शन फिल्म के लिए संतोषजनक माना जा रहा है, खासकर तब जब इसे मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला हो। भूत बंगला की कहानी लंदन में रहने वाले अर्जुन (अक्षय कुमार) और उसकी बहन (मिथिला पालकर) के इर्द-गिर्द घूमती है। अर्जुन को अपने दादाजी से एक पुराना महल और बड़ी संपत्ति विरासत में मिलती है, जिसके बाद वह अपनी बहन की शादी की तैयारियों के लिए भारत के मंगलपुर पहुंचता है। यहीं से कहानी में मोड़ आता है, जब एक रहस्यमयी और डरावनी लोककथा से उसका सामना होता है, जो हास्य और भय का मिश्रण प्रस्तुत करती है। फिल्म के शुरुआती रुझान संकेत देते हैं कि आने वाले दिनों में इसकी कमाई स्थिर रह सकती है, बशर्ते वीकेंड के बाद भी दर्शकों की दिलचस्पी बनी रहे। अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की पुरानी सफल साझेदारी को देखते हुए ट्रेड पंडितों को उम्मीद है कि फिल्म लंबी दौड़ में बेहतर प्रदर्शन कर सकती है।

'वाल्मीकि रामायण': नए पोस्टर में दिखी आध्यात्मिक झलक

अक्षय तृतीया पर निर्देशक भावना तलवार की आगामी फिल्म वाल्मीकि रामायण का नया पोस्टर जारी किया गया। पोस्टर में पारंपरिक धार्मिक प्रतीकों और सौम्य रंग संयोजन के जरिए फिल्म की दृश्यात्मक भव्यता और आध्यात्मिक टोन को प्रमुखता से उभारा गया है, जिससे इसके विषय-वस्तु की गंभीरता और संवेदनात्मक गहराई का संकेत मिलता है। मेकर्स इस प्रोजेक्ट को केवल एक पौराणिक कथा के रूप में नहीं, बल्कि भावनात्मक और आध्यात्मिक अनुभव के रूप में प्रस्तुत करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। पोस्टर की संरचना और आर्टवर्क इस बात की ओर इशारा करते हैं कि फिल्म में पारंपरिक कथा-वाचन के साथ आधुनिक सिनेमाई दृष्टिकोण का समन्वय किया गया है। फिल्म की रचनात्मक विशेषताओं में सबसे उल्लेखनीय इसका "म्यूजिकल इनवोकेशन" कॉन्सेप्ट है। सामान्य फिल्मों के विपरीत, जहां संगीत कहानी के साथ क्रमिक रूप से जुड़ता है, इस फिल्म में संगीत को कथा के आरंभिक बिंदु के रूप में स्थापित किया गया है। निर्माताओं के अनुसार, यह प्रयोग दर्शकों को शुरुआत से ही कथा के आध्यात्मिक परिवेश में ले जाने का माध्यम बनेगा। इस संगीतमय संरचना को दिग्गज संगीतकार इलैया राजा ने तैयार किया है, जिनकी पहचान गहन भावनात्मक और आध्यात्मिक संगीत रचनाओं के लिए रही है। पोस्टर के साथ इस अनूठी संगीत अवधारणा के सामने आने से दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर जिज्ञासा और अपेक्षाएं दोनों बढ़ी हैं।

साध्वी सैल बनीं फेमिना मिस वर्ल्ड 2026

देश की प्रतिष्ठित सौंदर्य प्रतियोगिता फेमिना मिस इंडिया 2026 के 61वें संस्करण में गोवा की प्रतिभागी साध्वी सैल ने 'फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2026' का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ वह अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। प्रतियोगिता में राजनंदिनी पवार (महाराष्ट्र) को फर्स्ट रनर-अप और अद्वैता को सेकेंड रनर-अप घोषित किया गया। यह भव्य आयोजन केआईआईटी यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर में आयोजित हुआ, जिसकी थीम "कनेक्टिंग द डॉट्स – डॉटर्स ऑफ दिस सॉयल" रखी गई थी। इस थीम के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विविधता और एकता को मंच पर प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया गया।

फिर मां बनने जा रही हैं 'मस्तानी', शेयर की खुशखबरी

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने अपने प्रशंसकों के साथ एक और बड़ी खुशखबरी साझा की है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से संकेत दिया कि वह दूसरी बार मां बनने वाली हैं। इस घोषणा के बाद फिल्म उद्योग और प्रशंसकों की ओर से उन्हें और उनके पति रणवीर सिंह को बधाइयों का सिलसिला शुरू हो गया है। इससे पहले दंपति ने सितंबर 2024 में अपनी पहली बेटी 'दुआ' का स्वागत किया था। अब परिवार में नए सदस्य के आगमन की खबर ने उनके फैंस के बीच उत्साह और बढ़ा दिया है। दोनों कलाकारों ने यह जानकारी इंस्टाग्राम पर एक रचनात्मक पोस्ट के जरिए साझा की। पोस्ट में उनकी बेटी दुआ एक पॉजिटिव प्रेग्नेंसी टेस्ट किट के साथ नजर आती है, जो इस घोषणा को भावनात्मक स्पर्श देता है। कैप्शन में केवल दो 'नजर' वाले इमोजी का इस्तेमाल किया गया, लेकिन यह संकेत ही प्रशंसकों के लिए पर्याप्त साबित हुआ। पोस्ट कुछ ही समय में वायरल हो गया और लाखों लाइक्स व कमेंट्स के साथ सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा।

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह की प्रेम कहानी फिल्म गोलियों की रासलीला राम-लीला के सेट से शुरू हुई थी। लंबे समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद दोनों ने 14 नवंबर 2018 को इटली के लेक कोमो में विवाह किया था। यह विवाह कोंकणी और सिंधी परंपराओं के अनुसार संपन्न हुआ था। शादी के छह वर्ष बाद दोनों पहली बार माता-पिता बने और अब दूसरी बार यह खुशी उनके जीवन में दस्तक देने जा रही है। फिल्म उद्योग में इस जोड़ी को सबसे लोकप्रिय और प्रभावशाली कपल्स में गिना जाता है। निजी जीवन को लेकर आमतौर पर संयम बरतने वाला यह दंपति, इस विशेष अवसर को सार्वजनिक कर अपने प्रशंसकों को भी इस खुशी में शामिल करता नजर आया। अब उनके प्रशंसक इस स्टार कपल के घर दूसरे नन्हे मेहमान के आगमन का इंतजार कर रहे हैं।

श्रीनगर एयरपोर्ट पर 2 अमेरिकी नागरिक हिरासत में

▶▶ चेकिंग में मिला सैटेलाइट फोन

एजेंसी | श्रीनगर

श्रीनगर एयरपोर्ट पर सुरक्षा एजेंसियों ने दो अमेरिकी नागरिकों को हिरासत में लिया है। नियमित जांच के दौरान उनके सामान से Garmin Satellite Phone/ट्रैकर बरामद हुआ, जिसे भारत में बिना अनुमति रखना प्रतिबंधित है। अधिकारियों के मुताबिक, हिरासत में लिए गए व्यक्तियों में से एक की पहचान जेफरी स्कॉट प्रैथर के रूप में हुई है। दोनों को आगे की पूछताछ के लिए पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

AI IMAGE

क्या कहते हैं भारत के नियम?

भारत में सैटेलाइट फोन या कम्युनिकेशन डिवाइस रखने और इस्तेमाल करने के लिए पहले से सरकारी अनुमति जरूरी है। दूरसंचार विभाग से लिखित मंजूरी लेना अनिवार्य है,बिना अनुमति डिवाइस रखना या उपयोग करना कानूनन अपराध है,एयरपोर्ट पर ऐसे मामलों में तुरंत हिरासत और पूछताछ की जाती है। पहले भी हो चुकी हैं ऐसी घटनाएं,यह पहली बार नहीं है जब इस तरह की कार्रवाई हुई हो। पिछले साल पुडुचेरी एयरपोर्ट पर एक अमेरिकी डॉक्टर के पास से इरीडियम सैटेलाइट फोन मिला था,इससे पहले एक चीनी नागरिक और एक ब्रिटिश अधिकारी को भी इसी तरह हिरासत में लिया गया था।

सुरक्षा एजेंसियों की बढ़ी सतर्कता

जम्मू-कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्र में सैटेलाइट फोन की बरामदगी को गंभीरता से लिया जा रहा है। ये डिवाइस सामान्य मोबाइल नेटवर्क से अलग काम करते हैं और इन्हें ट्रैक करना काफी मुश्किल होता है, जिससे सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे उपकरणों का दुरुपयोग आतंकवादी गतिविधियों या अवैध संचार के लिए किया जा सकता है, खासकर सीमा से सटे इलाकों में।

जांच जारी, कई पहलुओं पर नजर

फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां यह जांच कर रही हैं कि इन नागरिकों के पास यह डिवाइस किस उद्देश्य से था और क्या इसके पीछे कोई अन्य कनेक्शन है। साथ ही, यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या उन्होंने भारत आने से पहले आवश्यक अनुमति ली थी या नहीं। इस घटना के बाद एयरपोर्ट और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा जांच और सख्त किए जाने की संभावना है।

स्मार्ट मीटर पर सियासत तेज

अखिलेश यादव का भाजपा पर हमला

एजेंसी | लखनऊ

लखनऊ में स्मार्ट मीटर को लेकर विवाद अब राजनीतिक रंग लेता जा रहा है। बिजली बिल में बढ़ोतरी की शिकायतों के बीच समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने राज्य सरकार और भाजपा पर तीखा हमला बोला है। अखिलेश यादव ने हमीरपुर की महिलाओं का एक वीडियो साझा करते हुए आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर के नाम पर जनता से "ठगी" की जा रही है। उनका कहना है कि जरूरत से ज्यादा मीटर रीडिंग आने के कारण लोगों के बिजली बिल में बेतहाशा बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि ठेके देने से पहले ही कंपनियों से कमीशन लिया जाता है और इसकी भरपाई के लिए मीटरों को तेज चलने के लिए 'सेट' किया जाता है।

EVM से की तुलना, आरोपों से गरमाई राजनीति

सपा प्रमुख ने विवादित बयान देते हुए कहा कि भाजपा के बिजली मीटर भी ईवीएम की तरह हेराफेरी करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि महंगी बिजली और महंगाई के कारण जनता में नाराजगी बढ़ रही है, जिसका असर आने वाले समय में देखने को मिल सकता है। हालांकि, सरकार या बिजली विभाग की ओर से इन आरोपों पर आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

हमीरपुर में महिलाओं का प्रदर्शन

हमीरपुर में स्मार्ट मीटर को लेकर लोगों का गुस्सा सड़कों पर दिखाई दिया। लक्ष्मीबाई तिराहा स्थित कांशीराम कॉलोनी में बड़ी संख्या में महिलाएं सड़क पर उतर आईं और विरोध प्रदर्शन किया।प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर तेज रीडिंग दे रहे हैं, जिससे बिजली बिल काफी बढ़ गए हैं। कई महिलाओं ने मीटर को हटाने की मांग करते हुए नारेबाजी की और तहसील दिवस में अधिकारियों के सामने अपनी शिकायत रखी। उत्तर प्रदेश के कई जिलों से स्मार्ट मीटर को लेकर शिकायतें सामने आ रही हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि नए मीटर लगने के बाद बिल में अचानक बढ़ोतरी हुई है।

मलेशिया के सैंडाकन में भीषण आग, 1,000 घर जलकर खाक

9,000 से ज्यादा लोग बेघर

एजेंसी | सैंडाकन

सैंडाकन में रविवार तड़के लगी भीषण आग ने भारी तबाही मचाई। सुबह करीब 1:30 बजे बाटू सापी क्षेत्र के कम्पुंग बहागिया इलाके में शुरू हुई इस आग ने देखते ही देखते पूरी बस्ती को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में करीब 1,000 घर जलकर खाक हो गए, जबकि 9,000 से अधिक लोग बेघर हो गए हैं। इसे शहर की सबसे बड़ी आग की घटनाओं में से एक माना जा रहा है। गनीमत रही कि इस भीषण हादसे में किसी की मौत नहीं हुई, हालांकि कई लोग सामान बचाने और दूसरों की मदद के दौरान हल्के रूप से घायल हुए हैं।

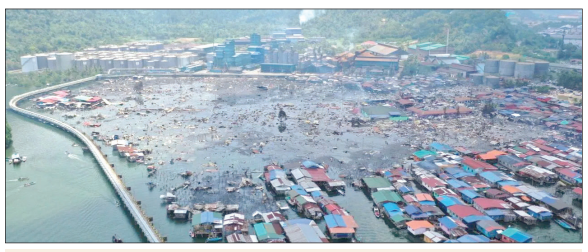

लकड़ी के घरों ने बढ़ाई तबाही

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह इलाका समुद्र किनारे बसा है, जहां ज्यादातर घर लकड़ी के खंभों पर बने हुए हैं। घर एक-दूसरे के बेहद करीब होने के कारण आग तेजी से फैल गई। लोगों को घर छोड़ने का बहुत कम समय मिला और कई परिवारों को अपना सारा सामान वहीं छोड़कर भागना पड़ा।संकरी गलियों के चलते दमकल विभाग की गाड़ियां सीधे घटनास्थल तक नहीं पहुंच सकीं। इसके अलावा, समुद्र में पानी का स्तर कम होने के कारण पानी भरने में भी परेशानी हुई। तेज हवाओं ने आग को और भड़काने का काम किया। करीब 35 दमकलकर्मी सैंडाकन और किनाबाटांगन से मौके पर पहुंचे और पानी के टैंकरों व नजदीकी फैक्ट्री के हाइड्रेंट की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया। करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सुबह 4 बजे आग पर काबू पाया जा सका।

1,200 में से 1,000 घर प्रभावित

पुलिस के अनुसार, इस बस्ती में कुल लगभग 1,200 घर थे, जिनमें से करीब 1,000 घर आग की चपेट में आ गए। केवल 200 घर ही सुरक्षित बच पाए। प्रशासन ने इलाके को 'डिजास्टर एरिया' घोषित कर दिया है। पीड़ितों की सहायता के लिए तीन अस्थायी राहत केंद्र बनाए गए हैं-पीपीआर सैंडाकन, PPR बाटू सापी हॉल और एसके कम्पुंग गैस स्कूल। यहां प्रभावित लोगों का पंजीकरण कर उन्हें भोजन, आश्रय और अन्य आवश्यक सुविधाएं दी जा रही हैं। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, कई लोगों के पास राहत केंद्र तक पहुंचने के लिए साधन नहीं हैं, ऐसे में उनके लिए अलग से व्यवस्था की जा रही है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। दमकल विभाग मामले की जांच कर रहा है।

चुनावों में सोशल मीडिया पर सख्ती

ECI का बड़ा कदम, AI कंटेंट पर 3 घंटे में कार्रवाई

एजेंसी | नई दिल्ली

निर्वाचन आयोग ने चुनावी माहौल के बीच सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फैल रहे भ्रामक कंटेंट को लेकर सख्त रुख अपनाया है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि सभी हितधारकों को सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000, आईटी नियम 2021 और आदर्श आचार संहिता (MCC) का पालन करते हुए जिम्मेदारीपूर्ण और नैतिक उपयोग सुनिश्चित करना होगा। निर्वाचन आयोग ने निर्देश दिया है कि किसी भी भ्रामक, गैरकानूनी या AI-जनरेटेड/मॉर्फ्ड कंटेंट के सोशल मीडिया पर आने के 3 घंटे के भीतर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को यह अनिवार्य किया गया है कि वे चुनाव प्रचार में इस्तेमाल होने वाली किसी भी AI-निर्मित सामग्री को स्पष्ट रूप से चिन्हित करें और उसका स्रोत भी बताएं, ताकि पारदर्शिता बनी रहे और मतदाताओं का भरोसा कायम रहे। आयोग असम, केरल, तमिलनाडु, पुदुचेरी और पश्चिम बंगाल में चल रहे चुनावों के दौरान सोशल मीडिया पोस्ट पर कड़ी नजर रख रहा है।

समझौते के लिए ट्रंप जा रहे पाकिस्तान?

इस्लामाबाद में सड़कें सील, लॉकडाउन जैसे हालात

एजेंसी | इस्लामाबाद

इस्लामाबाद में रविवार को अचानक सख्त सुरक्षा व्यवस्था लागू कर दी गई, जिससे राजधानी में लॉकडाउन जैसे हालात बन गए हैं। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित दूसरे दौर की शांति वार्ता की अटकलों के बीच यह कदम उठाया गया है। हालांकि, अब तक अमेरिका, ईरान या पाकिस्तान की ओर से किसी भी तरह की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। सूत्रों के अनुसार, हाई-लेवल अमेरिकी डेलिगेशन की सुरक्षा टीम इस्लामाबाद पहुंच चुकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने भी संकेत दिया है कि वह इस्लामाबाद आ सकते हैं, लेकिन केवल तभी जब समझौते पर हस्ताक्षर की स्थिति बने। फिलहाल, यह स्पष्ट नहीं है कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल में कौन-कौन शामिल होंगे।

वीवीआईपी मूवमेंट के चलते रेड जोन सील

अमेरिका से पाकिस्तान की यात्रा आमतौर पर एक दिन में पूरी होती है। 11 अप्रैल को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वन्स करीब 17 घंटे की उड़ान के बाद इस्लामाबाद पहुंचे थे। रिपोर्ट के मुताबिक, दो अमेरिकी कार्गो विमान नूर खान एयरबेस पर उतरे हैं, जिससे बड़े डेलिगेशन के आगमन के संकेत मिल रहे हैं। इस बीच, शहर में ट्रैफिक व्यवस्था में बड़े बदलाव किए गए हैं। रेड जोन और एक्सटेंडेड रेड जोन को पूरी तरह सील कर दिया गया है और आम लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। लोगों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने की सलाह दी गई है।

रावलपिंडी में ट्रांसपोर्ट बंद, होटलों में बुकिंग रोकी गई

सुरक्षा के मद्देनजर रावलपिंडी में भी ट्रांसपोर्ट सेवाओं पर रोक लगाई गई है। हालांकि, बाद में निजी वाहनों को सीमित छूट दी गई। प्रशासन ने भारी और सार्वजनिक परिवहन को अगले आदेश तक बंद रखने का फैसला लिया है, जिससे आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि ये प्रतिबंध करीब 10 दिन तक जारी रह सकते हैं। इसी बीच, राजधानी के प्रमुख होटलों ने भी नई बुकिंग लेना बंद कर दिया है। सेरेना होटल इस्लामाबाद और मैरियट होटल इस्लामाबाद में ठहरे मेहमानों को भी दूसरे स्थानों पर शिफ्ट करने के निर्देश दिए गए हैं। इससे संकेत मिल रहा है कि इन स्थानों को संभावित कूटनीतिक बैठक के लिए तैयार किया जा रहा है।

अमेरिका-ईरान वार्ता हलचल

गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच पहले दौर की वार्ता 12 अप्रैल को समाप्त हुई थी। इसके बाद से पाकिस्तान दोनों देशों के बीच संपर्क बनाए हुए है। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि सीधे संवाद अधिक प्रभावी होता है, क्योंकि तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से कई बार गलतफहमियां पैदा होती हैं। दूसरे दौर की वार्ता की तारीख अभी तय नहीं हुई है, लेकिन सूत्रों के अनुसार यह बैठक मंगलवार तक हो सकती है।

न्यूज़ ब्रीफ

दिल्ली सेमीकंडक्टर पॉलिसी का ड्राफ्ट तैयार

नई दिल्ली। नई दिल्ली में सेमीकंडक्टर सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए नई पहल शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री Rekha Gupta के नेतृत्व में 'दिल्ली सेमीकंडक्टर पॉलिसी' का ड्राफ्ट तैयार किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य राजधानी को हाई-टेक उद्योग का प्रमुख केंद्र बनाना है। इस नीति के तहत दिल्ली को सेमीकंडक्टर डिजाइन, उन्नत अनुसंधान और असेंबली गतिविधियों के लिए एक मजबूत केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है। सरकार का मानना है कि यह कदम राजधानी में तकनीकी विकास और औद्योगिक विस्तार को नई गति देगा।नई पॉलिसी का मुख्य लक्ष्य बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करना और युवाओं के लिए उच्च गुणवत्ता वाले रोजगार के अवसर पैदा करना है।

उधमसिंह नगर में 2.80 करोड़ का गांजा बरामद, 3 तस्कर गिरफ्तार

उधमसिंह नगर। उधमसिंह नग पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 2 करोड़ 80 लाख रुपये का गांजा बरामद किया है। इस मामले में अंतरराज्यीय गिरोह से जुड़े तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई एसओजी और रुद्रपुर कोतवाली की संयुक्त टीम ने 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत अंजाम दी। एसएसपी अजय गणपति के अनुसार, पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी, जिसके आधार पर बागवाला फ्लाईओवर के पास चेकिंग के दौरान एक कैंटर (UP81 FT 5851) को रोका गया।

ओडिशा में देश की पहली एडवांस्ड 3D सेमीकंडक्टर पैकेजिंग यूनिट

▶▶ हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग को मिलेगा बड़ा बूस्ट

एजेंसी | भुवनेश्वर

भुवनेश्वर की इन्फो वैली में देश की पहली एडवांस्ड 3D सेमीकंडक्टर पैकेजिंग यूनिट की नींव रखी गई है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अक्षय तृतीया के अवसर पर इस परियोजना की शुरुआत करते हुए कहा कि यह यूनिट हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में भारत की स्थिति को और मजबूत करेगी।

3D ग्लास सबस्ट्रेट टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल

इस प्लांट में अत्याधुनिक 3D ग्लास सबस्ट्रेट टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाएगा, जिसे सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री में अगली पीढ़ी का इनोवेशन माना जा रहा है। आमतौर पर चिप निर्माण में सिलिकॉन सबस्ट्रेट का उपयोग होता है, लेकिन इस नई तकनीक से चिप्स की क्षमता, स्पीड और दक्षता में बड़ा सुधार होगा।विशेषज्ञों के अनुसार, इस यूनिट से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), 5G नेटवर्क, ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स और डिफेंस टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों को सीधा लाभ मिलेगा।

2,000 करोड़ रुपये का निवेश

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस प्रोजेक्ट को राज्य और देश के लिए ऐतिहासिक बताया। उन्होंने जानकारी दी कि इस परियोजना में लगभग 2,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। पहले चरण में इस यूनिट से हर साल लगभग : 70,000 ग्लास पैनल ,50 मिलियन असेंबल्ड यूनिट,13,000 एडवांस्ड 3DHI मॉड्यूलके उत्पादन की उम्मीद है। इसके साथ ही 2,500 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है।

अनूपपुर में दर्दनाक सड़क हादसा

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से चार दोस्तों की मौत

एजेंसी | जबलपुर/अनूपपुर

अनूपपुर जिले में रविवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब डिंडोरी से गिट्टी लेने जा रहा तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रैक्टर जैसे ही ठाढ़पाथर तालाब के पास पहुंचा, चालक संतुलन खो बैठा और वाहन सड़क किनारे पलट गया। हादसा इतना भयानक था कि ट्रैक्टर का भारी इंजन सीधे सवार युवकों के ऊपर गिर गया। इंजन के नीचे दबने से चारों दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई।

एक ही गांव के चार दोस्तों की गई जान

मृतकों की पहचान 24 वर्षीय अंकुश उइके, 20 वर्षीय बृजेश पेंद्रो, 18 वर्षीय प्रकाश मार्को और 30 वर्षीय रविंद्र कुमार गोयल के रूप में हुई है। सभी डिंडोरी जिले के भीमकुंडी गांव के निवासी थे। बताया जा रहा है कि ये चारों दोस्त रोजी-रोटी के लिए साथ काम करते थे और घटना वाले दिन भी एक साथ काम के लिए निकले थे।

होर्मुज से सुरक्षित निकला भारतीय टैंकर 'देश गरिमा'

22 अप्रैल को मुंबई पहुंचेगा; दो जहाजों पर गोलीबारी

एजेंसी | नई दिल्ली

देश गरिमा' नामक भारतीय कच्चे तेल का टैंकर 18 अप्रैल को होर्मुज को सुरक्षित पार कर गया। यह जहाज 22 अप्रैल को मुंबई बंदरगाह पहुंचने वाला है। जहाज पर 31 भारतीय नाविक सवार हैं और सभी सुरक्षित बताए गए हैं। हालांकि, इसी दौरान खाड़ी क्षेत्र से चिंताजनक खबर भी सामने आई है। दो अन्य भारतीय जहाज—VLCC सन्मार हेराड और बल्क कैरियर जग अर्नव पर गोलीबारी की घटना हुई, जिसके बाद उन्हें अपना रास्ता बदलकर वापस लौटना पड़ा।

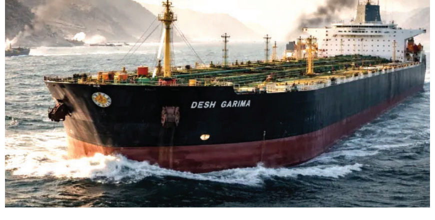

तनाव के बीच राहत और चिंता

'देश गरिमा' का सुरक्षित निकलना ऐसे समय में बड़ी राहत है, जब खाड़ी क्षेत्र में तनाव चरम पर है। वहीं, अन्य जहाजों पर हुई फायरिंग ने समुद्री सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।गोलीबारी के दौरान दोनों जहाजों के कप्तानों ने सूझबूझ दिखाते हुए जहाजों को तुरंत सुरक्षित दिशा में मोड़ दिया। राहत की बात यह रही कि किसी भी क्रू मेंबर को कोई चोट नहीं आई। स्थिति को देखते हुए भारत सरकार पूरी तरह सतर्क है।

दुनिया का सबसे संवेदनशील समुद्री रास्ता

होर्मुज इस समय दुनिया के सबसे संवेदनशील समुद्री मार्गों में से एक बन चुका है। अमेरिका और इजराइल के साथ बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने इस क्षेत्र में सख्त निगरानी बढ़ा दी है।बताया जा रहा है कि बिना अनुमति किसी भी जहाज की आवाजाही पर कड़ी नजर रखी जा रही है, जिससे अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार भी प्रभावित हो रहा है।खाड़ी क्षेत्र में लगातार बढ़ते तनाव को देखते हुए आने वाले दिनों में समुद्री मार्गों पर जोखिम बना रह सकता है।

गोवा की साध्वी सैल बनीं फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2026

एजेंसी | भुवनेश्वर

भुवनेश्वर में आयोजित फेमिना मिस इंडिया 2026 के 61वें संस्करण में गोवा की साध्वी सैल ने फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2026 का ताज अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ अब वह अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। वहीं महाराष्ट्र की राजनंदिनी पवार को फर्स्ट रनर-अप और अद्वैता को सेकेंड रनर-अप घोषित किया गया। प्रतियोगिता के नतीजों के साथ ही विजेताओं के नाम पूरे देश में चर्चा का विषय बन गए। भुवनेश्वर स्थित केआईआईटी यूनिवर्सिटी में आयोजित इस भव्य समारोह का थीम ₹कनेक्टिंग द डॉट्स-डाल्टर्स ऑफ दिस सोयल₹ रखा गया था। इस थीम के जरिए भारत की सांस्कृतिक विविधता और एकता को मंच पर खूबसूरती से पेश किया गया। देशभर से आई प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया, जिसने ग्रैंड फिनाले को यादगार बना दिया। प्रतियोगिता की शुरुआत पिछले वर्ष नवंबर में देशभर में आयोजित टैलेंट हंट से हुई थी, जिसमें अलग-अलग राज्यों से प्रतिभागियों का चयन किया गया। इसके बाद टॉप 30 प्रतिभागियों ने मुंबई में विशेष ग्रूमिंग सेशन में हिस्सा लिया।